



पीयूष गोयल की राहुल गांधी..

02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता



शाहरुख की फिल्म में करीना...

11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 192

गाजियाबाद / बुधवार 14 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

चतुर्थ दिन

मां कूष्मांडा



मां कूष्मांडा को सृष्टि की आदिशक्ति माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उन्होंने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की। अष्टभुजा देवी सिंह पर विराजमान रहती हैं। इनकी पूजा से आरोग्य, ऊर्जा, समृद्धि और उत्साह प्राप्त होने की मान्यता है। भक्त जीवन में खुशहाली के लिए इनका आशीर्वाद मांगते हैं।

संक्षिप्त

समाचार

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई पर रोक लगा दी। यह केस 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयानों से जुड़ा है। मामला महाराष्ट्र की ट्रायल कोर्ट में चल रहा था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की बेंच ने



महाराष्ट्र सरकार और एमएच श्रीश्रीमल को नोटिस जारी किया है। राहुल गांधी के खिलाफ देशभर में दर्ज आपराधिक मानहानि के मामलों की कुल संख्या 16 है।

इसमें से 15 मामले उन्होंने अपने 2024 के लोकसभा चुनावी हलफनामे में घोषित किए हैं, और 1 मामला पुणे में सावरकर परिवार द्वारा दायर किया गया है। राहुल ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी- राहुल गांधी ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 8 सितंबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ जारी समन रद्द करने से इनकार किया था। राहुल गांधी की ओर से वकील अभिषेक सिंघवी पेश हुए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला दिया। सिंघवी ने कहा कि इस मामले में कानून पहले ही स्पष्ट हो चुका है। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता एमएच श्रीश्रीमल की याचिका पर गिरगांव मजिस्ट्रेट के 28 अगस्त 2019 के आदेश को बरकरार रखा था।

चीन ने लद्दाख की 28 जगहों को अपना बताया

बीजिंग/नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने लद्दाख की 28 जगहों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति जताई है। चीन ने मंगलवार को कहा कि ये इलाके उसके हैं और भारत के नाम बदलने या रखने से जमीन पर मालिकाना हक नहीं बदलेगा। भारत ने 2 अक्टूबर को इन जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए थे। इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे इलाके भी शामिल हैं, जहां 2020 में भारतीय और



चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ था। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा कि चीन लद्दाख को भारत की ओर से बनाया गया केंद्र शासित प्रदेश नहीं मानता। चीन ने भारत के इस कदम को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि सीमा के पश्चिमी हिस्से के ये इलाके उसके हैं। माओ के मुताबिक, भारत के इस कदम से सीमा के पश्चिमी हिस्से में उन इलाकों पर चीन का दावा नहीं बदल सकता, जिन्हें वह अपना क्षेत्र मानता है। भारत के गृह मंत्रालय ने 2 अक्टूबर को लद्दाख की 28 जगहों और क्षेत्रों के नाम आधिकारिक तौर पर तय किए थे। भारत का फैसला 2023 में चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश के इलाकों के नाम बदलने के जवाब में उठाया गया था। चीन अरुणाचल प्रदेश को 'जांगनान' यानी दक्षिणी लिब्बत कहता रहा है। भारत सरकार का कहना था कि उसका मकसद इन जगहों की पहचान को साफ करना है।

बड़ा फैसला! यूपीआई पर 0.4 फीसदी चार्ज दीवाली तक टला

● त्योहारी सीजन को देखते हुए मोदी सरकार ने लिया बड़ा निर्णय ● 2 हजार से ज्यादा के पेमेंट पर 15 अक्टूबर से होना था लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दीवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करने पर 0.4 फीसदी चार्ज लगना था। आम लोगों के बीच ट्रंजेक्शन पहले की तरह फ्री रहेगा। एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला किया है। एनपीसीआई ने कहा है कि इसे दीवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है। अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4 फीसदी का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम फ्लैट चार्ज लागू होगा।



केंद्रीय मंत्री मुरुगन का इस्तीफा राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी



नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना और प्रसारण, संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पीएम मोदी को 5 पेज की चिट्ठी में उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ने की बात कही है। मुरुगन ने चिट्ठी में लिखा- मुझे जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए। मैं तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के लिए अपना समय देना चाहता हूँ। मुरुगन ने लिखा, 'आपके नेतृत्व में देश और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। वे गरीब परिवार से आते हैं और उनके माता-पिता मजदूरी करते थे। तमिलनाडु के रहने वाले मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था।

पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा, 6 लोगों की मौत इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के मुल्तान में मंगलवार को बड़ा रेल हादसा हुआ है। ये हादसा तब हुआ, जब रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इस घटना में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि स्थानीय प्रशासन ने की है। वहीं 40 से ज्यादा लोग इस एक्सीडेंट में घायल हुए हैं।

भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं और टैलेंट दिया

● पीएम मोदी ने कहा-बदले में क्रेडिट-रैंयल्टी भी नहीं ली ● देश पहली बार ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम का मेजबान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी। दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। कहा कि भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया। तीन दिन का यह कार्यक्रम 15 अक्टूबर को खत्म होगा। इस साल फोरम की थीम 'बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना' है।

सरकार का उद्देश्य नागरिकों को निर्भर बनाना नहीं- मोदी ने कहा- सरकार के पास अधिकार है, लेकिन उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को व्यवस्था पर निर्भर बनाना नहीं होना चाहिए। बल्कि, उसका उद्देश्य अपने



नागरिकों को सशक्त और सशक्त बनाना होना चाहिए, और भारत इसी राह पर चल रहा है। पीएम बोले- भारत की 7.8 फीसदी ग्रोथ रही है। आज हमारा फॉरेन रिजर्व 700 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। भारत का कॉम्पिडेंस

एसआईआर के खिलाफ

विपक्ष की याचिका में 14 खामियां

● सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने बताया-कोर्ट फीस 220 रुपए कम दी ● पेज भी गायब, मल्लिकार्जुन खड़गे का आईडी कार्ड धुंधला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत 11 विपक्षी नेताओं की ओर से दायर एसआईआर याचिका में करीब 14 खामियां बताई हैं। यह याचिका एसआईआर में बड़े पैमाने पर नाम हटाने और गड़बड़ियों के आरोपों से जुड़ी है। इन खामियों के कारण मंगलवार को याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, रजिस्ट्री ने याचिका के साथ जमा किए गए दस्तावेजों में भी खामियां बताईं। कुछ पन्ने पढ़ने लायक नहीं हैं, जबकि कुछ पन्ने गायब हैं। इसके अलावा, कोर्ट फीस भी 220 रुपए कम जमा की गई है।



रजिस्ट्री ने कुल 14 खामियां दर्ज की हैं। रजिस्ट्री ने कहा है कि याचिका दाखिल करने वाले वकील से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन

राहुल बोले- ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेकर रहेगे,जितना समय लगे, आंदोलन जारी रहेगा

एसआईआर के खिलाफ और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडी ब्लॉक के नेताओं ने राहुल गांधी के घर चाय पर बैठक की। करीब दो घंटे चली इस बैठक के बाद सभी नेता एक साथ बाहर आए और मीडिया को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना हमारा मिशन है।

खड़गे के पहचान पत्र (आईडी कार्ड) की साफ कॉपी मांगी है। इसके अलावा, 9 याचिकाकर्ताओं से याचिका दायर करने के लिए लिखित सहमति भी मांगी है। 12 अक्टूबर को दायर याचिका में भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों को पक्षकार बनाया गया है।

मार्च के खिलाफ 4 एफआईआर दर्ज

सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने के मामले में दिल्ली पुलिस ने 4 एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ये केस कर्नाट प्लेस, बाराखम्बा रोड, तिलक मार्ग और मंदिर मार्ग थाने में दर्ज किए गए हैं। राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी नेता सोमवार को याचिका दाखिल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करके पहुंचे थे। याचिका में रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति बनाने की मांग की गई है। इसमें तकनीकी विशेषज्ञों और प्रतिष्ठित नागरिकों को भी शामिल करने की मांग है। याचिका में कहा गया है कि यह समिति तय समय के भीतर एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों और किए गए बदलावों का स्वतंत्र ऑडिट करे।

आसमान पर सेंसेक्स 1100 अंक तक उछला

● शेयर मार्केट की बुल रणतार, बम-बम रहा बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में गजब की तेजी दिखी है। मार्केट बंद के दौरान 30 शेयरों की बाला सेंसेक्स 1109.10 अंक यानी कि 1.54 फीसदी बढ़त के साथ रहे



निशान में 73,033.78 पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों निफ्टी 358.60 अंक यानी कि 1.60 फीसदी चढ़कर 22,721.95 पर बंद हुआ। मार्केट बंद के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में

से 27 में तेजी और सिर्फ तीन शेयरों में गिरावट दिखी। इनमें टॉप गेनर एचसीएल टेक में 8.28 फीसदी की तेजी और टॉप लूजर कोटक महिंद्रा बैंक में 0.90 फीसदी की गिरावट दिखी। मार्केट की इस बढ़त में निवेशकों की संपत्ति में करीब 3 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इस बीच सेंसेक्स पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़कर अब 469 लाख करोड़ रुपये हो गया है। बीते कारोबारी सत्र यानी कि 12 अक्टूबर सोमवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला था, जबकि इसकी क्लोजिंग गिरावट के साथ हुई थी। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 400 अंकों की तेजी के साथ 72,771.32 पर खुला था, लेकिन जब बंद हुआ तो यह अपने दे हाई से करीब 950 अंक लुढ़क गया।

ओवैसी का समाजवादी पार्टी के सबसे मजबूत गढ़ पर अटैक

● आजमगढ़ को कमी मुलायम सिंह यादव ने बनाया था अमेघ!

लखनऊ/आजमगढ़ (एजेंसी)। हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने नौ दिनों तक इंतजार किया और फिर समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सपा ने यूपी विधानसभा चुनावों में तालमेल के उनके खुले ऑफर को ठुकराया तो ओवैसी ने भी जैसे अबकी बार उनकी चुनावी जड़ें ही उखाड़ने की ठान ली है। असदुद्दीन ओवैसी ने सपा और अखिलेश यादव को टारगेट करने के लिए सबसे पहले आजमगढ़ को चुना है, जिसे मुलायम सिंह यादव ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक अपना अभेद्य किला बनाकर रखा था। एआईएमआईएम एम्पी असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी के मुसलमानों से कहा है कि वे यादव परिवार की लाल टोपी को गुलामी करना बंद कर दें। ओवैसी ने यह आह्वान आजमगढ़ की सभा में किया, जिसे सपा का गढ़ माना जाता है।



● मुस्लिम नेतृत्व की बात कहकर सपा को चुनौती- आजमगढ़ में जाकर ओवैसी का यह कहना कि मुसलमान अब नेता बनने की तैयारी करें, क्योंकि उन्होंने जिन दलों के लिए सिद्धियां लगाईं, उन्होंने कभी भी उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया। इसके लिए उनके निशाने पर सपा ही नहीं, बसपा और कांग्रेस है। असदुद्दीन ओवैसी का आरोप है कि यूपी के मुसलमानों ने मुलायम सिंह यादव और उनके बेटे अखिलेश यादव की खिदमत में पीढ़ियां लगा दीं, लेकिन उन्होंने किसी मुसलमान को प्रमुख नेता बनने का मौका नहीं दिया।

पीएम बोले- अवसर पैदा करें, देशों को जोड़े

ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व इस बात में है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता है। भारत दूसरों के लिए अवसर पैदा करने और देशों को जोड़ने में विश्वास रखता है। कोविड के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन पहुंचाई। भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सप्लाई चेन, ऊर्जा, खनिज और तकनीक भी देशों के बीच दबाव बनाने के साधन बन रहे हैं। दुनिया का उद्देश्य लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में भारत ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। स्टार्टअप के मौके छोटे शहरों तक पहुंचे हैं। आर्थिक सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की विकास दर 7.8 फीसदी रही और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ज्यादा है। कारोबार को आसान बनाना और सुधार करना सरकार की प्रतिबद्धता है।

राहुल गांधी के खास दोस्त को कांग्रेस दफ्तर में छुपाया

जेएनयू मामले पर राष्ट्रपति से मिलने पहुंची बीजेपी की महिला सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर यौन उत्पीड़न के मामले के मुद्दे पर बीजेपी की महिला सांसद मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचीं। इस दौरान बीजेपी सांसदों ने कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ राहुल गांधी पर भी जनकर निशाना साधा। बीजेपी की राज्यसभा सांसद गीता शाक्य ने कहा,जिस तरह से जेएनयू में एक कांग्रेस सांसद ने 11 लड़कियों का यौन शोषण किया, मैं राहुल गांधी से कहना चाहूंगी कि वह (कांग्रेस सांसद) निश्चित रूप से

उनका बहुत खास दोस्त है, इसलिए उन्होंने उसे कांग्रेस दफ्तर में छिपाकर रखा है। बीजेपी सांसद गीता शाक्य ने आग कहा कि एक तरफ तो वे (राहुल गांधी) कहते हैं कि वे लड़कियों के साथ खड़े हैं। दूसरी तरफ प्रियंका गांधी हों, सोनिया गांधी हों या राहुल गांधी कोई भी यह नहीं देख रहा है कि इन लड़कियों को कैसे परेशान किया गया। राहुल गांधी को खुद उस सांसद के इस्तीफे की मांग करनी चाहिए।



बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में जालसाजी ने मुंबई पुलिस और एटीएस के अधिकारी बनकर एक किसान से 1.31 करोड़ रुपए ठग लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पहलगाम आतंकवादी हमले के एक आरोपी को धन अंतरित करने का आरोप लगाते हुए किसान को डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। पुलिस के मुताबिक किसान को 2 सितंबर से 6 अक्टूबर 2026 तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और इस दौरान ठगों ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिये उसे भ्रमकाया और कई बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

- राहुल गांधी आरोप लगाकर भाग जाने वाले नेता



को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया गया, और दो पूर्व सीईसी को राज्यपाल के पदों से नवजा गया।

केन्द्रीय मंत्री गोयल ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन का उदाहरण देकर याद दिलाया कि 1999 के चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें लालकृष्ण आडवाणी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा था। इसी तरह, पूर्व सीईसी एम.एस. गिल को पद पर रहते हुए पदवी विभूषण देना और बाद में यूपीए सरकार में

केंद्रीय मंत्री बनाना, आयोग की स्वयत्तता पर काग्रेस द्वारा किए गए प्रहारों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके विपरीत, पीयूष गोयल ने दावा किया कि मौजूदा एंडीए सरकार ने चुनाव आयोग को पूर्ण संवैधानिक स्वायत्तता प्रदान की है और उसकी निष्पत्ता में कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राहुल गांधी पर तीखा प्रहार कर गोयल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बेवनाह विवाद खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने विवाद उत्पन्न किया कि अगर काग्रेस इस प्रक्रिया को गलत मानती थी, बिहार और बंगाल चुनावों के दौरान इस पर आपत्ति क्यों नहीं जाहिर की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने निकपत्र निकालकर कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बाह-बाह निराधार सवाल उठाना भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की एक सोची-सोझी साजिश है, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

दुखे ने कांग्रेस और राहुल गांधी के प्रति पार्टी के झुकान पर सीधा सवाल उठाकर कहा कि राजनीतिगत गठबंधन कभी भी पार्टी की मूल वैचारिक पहचान की कोंमत पर नहीं होने चाहिए। उन्होंने उद्योगपतियों को लेकर पार्टी के दोहरे रवैये की आलोचना की और कहा कि देश में निवेश व रोजगार पैदा करने वाले उद्योगपतियों का मूल्यमांक निष्पक्ष होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का विरोध केवल नीतिगत मुद्दों पर होना चाहिए, न कि निराधार व्यक्तिगत आधार पर होना चाहिए। इस इस्तीफे को मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के उरर भारतीय उद्योग दल बैंक के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है।

A group of people, including a woman in a pink sari, standing outdoors in front of a building. The woman is pointing towards the building. There are several men in light blue shirts and dark trousers standing around her. A motorcycle is parked in the background. The building has a sign that reads 'Sri Lanka'.

के अनुसार क्षेत्र की साज-सज्जा की जाए। सड़क किनारे लगे बिजली और अन्य खंभों को यातायात में बाधा बनने से रोकने के लिए उपयुक्त स्थानों पर स्थानान्तरित करने की कार्रवाई की जाए। इस संबंध में हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण और नगर निगम को आपसी समन्वय से काम करने को कहा।

मैलाधिकारी ने कहा कि कुंभ की तैयारियों में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के साथ शहर के समग्र स्वरूप को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया जाए। निर्माण कार्यों की गुरुवृत्ता, शौच और नियमित निराश्रित सुनिश्चित करते हुए सभी काम समय पर पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त नंदन कुमार, प्राधिकरण सचिव प्रमत्त सिंह, उपाय नगर ए.आर. जोशी, पीआईड्यू अभियंता सरीन कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिद्वार (शिखर समाचार)। सेवा संस्कल्प अधिपति के अंतर्गत मंगलवार को नगर पंचायत पिरान कलियार में जन-जन को संकाय, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत बहुदेशीय शिविर आयोजित किया गया। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शोभाभार प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में 11 शिकायतें और आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से दो से पांच का मौके पर ही निस्तारण कार्य दिया गया। शेष छह मामलों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। शिविर में लगभग 450 लोगों ने प्रतिभाग किया, जबकि

117 पात्र व्यक्तियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया गया।

मुख्यमंत्री के निर्देशों और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में आयोजित शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को तह पहुंचाना रहा। राज्यमंत्री शोभा राम प्रजापति ने कहा कि हज्जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार प्रदेश सरकार की जनसत्तकारी पहल है। इसके माध्यम से सरकार जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएँ सुन रही है

और शिकायतों के समाधान के साथ योजनाओं का लाभ सरल एवं पारदर्शी

-जयराम ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पश्चिम बंगाल में मतदाता पंजीकरण को लेकर चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस नोट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आयोग की हालिया कार्यवाही विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से 12 अक्टूबर को जारी प्रेस नोट

को उल्लेख किया। इसमें कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य के सभी 24 जिला निर्वाचन अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अभियान शुरू किया है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से न रहे। चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। किसी भी शिकायत के लिए मतदाता बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) या जिला निर्वाचन अधिकारी (डीओ) से संपर्क कर सकते हैं।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहा नया मौसमी सिस्टम



है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच होने वाली वर्षा दक्षिण भारत की कृषि, जलाशय भराव और जलापूर्ति के दृष्टिकोण से बेहद अहम मानी जाती है। दूसरी तरफ, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करता

है और अमृतौर पर भारत में मानसून की वर्षा को कमजोर करने के लिए जाना जाता है। हालांकि, इसका असर स्थानीय समुद्री और वायुमंडलीय परिस्थितियों पर निर्भर करता है। आईएमडी ने त्योंहारी सीजन में यात्रा करने वालों और सार्वजनिक आयोजनों के आयोजकों को सलाह दी है कि वे भ्रामक जानकारीयों से

बचें और अपने स्थानीय जिला स्तर के मौसम पूर्वानुमानों पर नजर रखें। दशहरे से लेकर दीपावली के बीच अलग-अलग राज्यों में मौसम का मिजाज भिन्न हो सकता है, जहां कुछ तटीय इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, वहीं देश के अधिकांश अंदरूनी हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहने का अनुमान है।

कांग्रेस और गांधी परिवार का पूरा संरक्षण



नई दिल्ली, एंजेंसी।
कांग्रेस सांसद अंगोमाया बिमोले
अकड्जम पर लगे यौन उरीडिजन के
गंभीर आरोप को लेकर भारतीय जनता
पार्टी की महिला सांसदों ने
प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति दायीं मुमू
मुलाकात की। जवाहरलाल नेहरू
विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पू
प्रोफेसर और मणिपुर से सांसद
अकड्जम को हाल ही में इन आरोपों से
चलते विश्वविद्यालय से बर्खास्त किया
गया था। राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान
बीजेपी महिला सांसदों ने कांग्रेस सांसदों
के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने
और उन्हें लोकसाथ से बर्खास्त करने
की मांग की। बीजेपी महिला मोर्चा के
अध्यक्ष और सांसद रूप कुमारी चौधरी
ने बताया कि आरोपी सांसद को कांग्रेस
हटाने और गांधी परिवार का पूरा संरक्षण
हासिल है, इसकारण शिकायत करने
वाली छत्रपति डूई हैं। प्रतिनिधिमंडल

ने राष्ट्रपति से पीड़ित छात्रों को
तत्काल सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करने
की गृहार लगाईं। रूप कुरमी चौधरी के
गुनाह, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने
संवैदनीक मामले पर कार्यवाही करने
का आश्वासन दिया है। इस
प्रतिनिधिमंडल में सांसद डॉ. पुरंदरी
और दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज
सहित कई अन्य महिला जनप्रतिनिधि
शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इस
मामलाका से एक दिन पहले बीजेपी

महिला मोर्चा ने दिल्ली स्थित काँग्रेस मुख्यालय और हिमाचल प्रदेश में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया था। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अनूपपूर्णा देवी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों में काँग्रेस से अकोइडम को निष्कासित करने की मांग की गई थी। दिल्ली पुलिस पहले ही मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है।

**पिरान कलियर में जनसमस्याओं के समाधान को
लगा शिविर, 117 लोगों को मिला योजनाओं का लाभ**

लांक गांव में 22.77 करोड़ रुपये से बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, पहली किश्त के 11.38 करोड़ स्वीकृत

शामली (शिखर समाचार)। शामली जनपद की द्वितीय तहसील की क्षेत्र के लांक गांव में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। उत्तर प्रदेश शासन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में परियोजना के लिए 22 करोड़ 77 लाख 84 हजार रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। विद्यालय में पूर्व प्राथमिक शिक्षा से लेकर कक्षा 12 तक पढ़ाई की व्यवस्था होगी। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। इस संबंध में सदर विधायक

प्रसन्न चौधरी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर विद्यालय निर्माण की स्वीकृति देने पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। विद्यालय बनने से विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध होंगे। उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव लाल मणि यादव की ओर से 29 सितंबर 2026 को जारी शासनादेश के अनुसार, निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन



लिमिटेड द्वारा कराया जाएगा।

स्वीकृत लागत में 18 प्रतिशत वस्तु

एवं सेवा कर (जीएसटी) भी शामिल है। शासन ने कुल स्वीकृत धनराशि की पहली किश्त के रूप में 11 करोड़ 38 लाख 92 हजार रुपये यानी 50 प्रतिशत राशि जारी करने की मंजूरी दी है। शासन ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और वित्तीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यदायी संस्था के निर्धारित लागत और मानकों के अनुरूप समयसीमा में निर्माण पूरा कराना होगा। किसी भी प्रकार के अनधिकृत बदलाव, अतिरिक्त कार्य या उच्च विशिष्टियों के इस्तेमाल से पहले सक्षम स्तर

की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। निर्माण शुरू करने से पहले यह भी सुनिश्चित करना होगा कि परियोजना के लिए किसी अन्य स्रोत से धनराशि स्वीकृत न हुई हो। परियोजना का व्यव वित्तीय वर्ष 2026-27 में अनुदान संख्या-71 के अंतर्गत शिक्षा, खेलकूद, कला एवं संस्कृति से संबंधित बजट व्यवस्था से किया जाएगा। विद्यालय का निर्माण पूरा होने पर क्षेत्र में शैक्षिक सुविधाओं का विस्तार होगा और विद्यार्थियों को पूर्व प्राथमिक से इंटरमीडिएट स्तर तक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

नवाचार से उद्यमिता की ओर बढ़ेंगे विद्यार्थी, आईटीएस में इग्नाइट-2026 के दौरान ई-सेल का उद्घाटन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस गाजियाबाद की ओर से स्टार्टअप चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एससीसीआई) के सहयोग से 9 अक्टूबर को द्रोणाचार्य सभागार में इग्नाइट-2026 का आयोजन किया गया। नवाचार से उद्यमिता की ओर विद्यार्थी पर आयोजित नेतृत्व व्याख्यान में प्रबंधन के विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने, व्यावसायिक विचारों को विकसित करने और सफल उद्यमी बनने के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नवाचार, नेतृत्व क्षमता और उद्यमशील सोच को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में एससीसीआई के अध्यक्ष डॉ. शंकर गोयनका, उपाध्यक्ष चार्टर्ड अकाउंटेंट सुनील गर्ग, व्यवसाय मार्गदर्शक चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन मित्तल, स्टार्टअप मार्गदर्शक चार्टर्ड अकाउंटेंट सुनील गुप्ता, अध्यक्ष अर्जुन अर्जुन गर्ग और गीता गांधी ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। आईटीएस शिक्षण समूह के उपाध्यक्ष अर्पित चट्टा ने विद्यार्थियों को अपने नवाचारी विचारों को आगे बढ़ाने और अनुभवी विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेकर विकसित भारत-2047 के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के प्रोफेसर (डॉ.) अजय कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों से ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने और उपलब्ध अवसरों का सदुपयोग करने का आह्वान किया। डॉ. शंकर गोयनका ने कहा कि केवल विचार से सफल स्टार्टअप नहीं बनता, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन, स्पष्ट लक्ष्य, संवाद



कोशल और हठ संकल्प की भी आवश्यकता होती है। सुनील गर्ग ने उदाहरणों के माध्यम से आर्थिक विकास, महिला उद्यमिता और स्टार्टअप की भूमिका समझाई। नितिन मित्तल ने कंपनी स्थापना, कानूनी प्रक्रियाओं, निवेश, पंजीकरण, बौद्धिक संपदा अधिकार और कर संबंधी लाभों की जानकारी दी। गीता गांधी ने युवाओं को सरकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता के अवसरों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के उद्यमिता प्रकोष्ठ का औपचारिक उद्घाटन भी किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को नए विचार विकसित करने, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने और अपने व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। वक्ताओं ने युवाओं से नौकरी तलाशने के बजाय रोजगार सृजित करने वाले उद्यमी बनने की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

नवरात्रि के पावन अवसर पर आईएमएस गाजियाबाद में छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए माता की चौकी का भव्य आयोजन किया गया। संस्थान की छात्रावास समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में 450 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मां दुर्गा की आराधना, भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के विधि-विधान से पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान की निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) जसकिरण कौर और सभी विभागध्यक्ष उपस्थित रहे। माता की चौकी में आमंत्रित भजन मंडली ने विभिन्न भक्ति गीतों और भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने मां भावती की महिमा का गुणगान किया, जिसे सुनकर उपस्थित विद्यार्थी भक्ति में लीन नजर आए। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।



कार्यक्रम में धार्मिक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। कलाकारों ने मां दुर्गा और सुदामा की झांकियां प्रस्तुत कीं। इसके साथ ही राधा-कृष्ण के नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की और धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर आईएमएस

गाजियाबाद शिक्षण संस्थान समूह के महासचिव चार्टर्ड अकाउंटेंट (डॉ.) रविश खरिया ने सभी छात्र-छात्राओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन ने विद्यार्थियों को सामूहिक सहभागिता, धार्मिक आस्था और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

नवागत एसपी पूर्णेदु सिंह ने डीआईजी कलानिधि नैथानी से की मुलाकात, कानून व्यवस्था पर हुई चर्चा



मेरठ (शिखर समाचार)। बागपत के नवागत पुलिस अधीक्षक पूर्णेदु सिंह ने मंगलवार, 13 अक्टूबर को मेरठ स्थित पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय में डीआईजी कलानिधि नैथानी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डीआईजी ने उन्हें नई जिम्मेदारी सभालने पर शुभकामनाएं दीं और जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। मुलाकात के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति, अपराधों की रोकथाम और पुलिसिंग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने नवागत एसपी को पुलिस व्यवस्था को प्रभावी बनाए

रखने, अपराध नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में सतर्कता बरतने के संबंध में ब्रीफिंग दी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने और जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। नवागत पुलिस अधीक्षक पूर्णेदु सिंह को बागपत में अपनी नई जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मोबाइल के दौर में पारंपरिक खेलों की वापसी जरूरी, मेला गुहाल में 750 से अधिक बच्चों ने दिखाया दमखम

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मेला गुहाल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत जेवी जैन डिग्री कॉलेज में पारंपरिक भारतीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पारंपरिक खेलों के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदाजी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. विमला वाई और विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. वकुल बंसल ने हनुमान जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा रिबन की गांठ खोलकर किया। प्रतियोगिताओं में जिले के विभिन्न विद्यालयों के 750 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में पहली बार मेला गुहाल के सांस्कृतिक आयोजनों में कबड्डी, खो-खो, बोरी कूद, रस्साकसी, साइकिल के टायर की दौड़, मटका संतुलन दौड़ और दृष्टिबाधित मटका भेदन जैसे पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया। देर शाम तक चली प्रतियोगिताओं में बोरी कूद, मटका संतुलन दौड़, कबड्डी और



रस्साकसी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कुलपति प्रो. विमला वाई ने नगर निगम की पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज के परिवेश में खेलों के लिए पारंपरिक खेल बेहद आवश्यक हैं। ये खेल मनोरंजन के साथ बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास करते हैं तथा उन्हें स्वस्थ रखने में मददगार होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं ने उनके बचपन की यादें ताजा कर दीं। उन्होंने उत्साह और ऊर्जा के साथ

भाग लेने वाले बच्चों को शुभकामनाएं दीं। बोरी कूद प्रतियोगिता में कक्षा पांच से नौ तक के वर्गों में सलोनी ने प्रथम, विनी ने द्वितीय और खुशनुमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा दस से बारह तक के वर्ग में अंजलि प्रथम, सानिया द्वितीय और पल्लवी तृतीय रहीं। स्नातक वर्ग में साक्षी ने प्रथम, सिमरन ने द्वितीय और अमन ने तृतीय स्थान हासिल किया। मटका संतुलन दौड़ में कक्षा पांच से नौ तक के वर्ग में पल्लवी प्रथम, तनीषा

द्वितीय और रिया तृतीय रहीं। कार्यक्रम संयोजक गौरव कपिल ने भारतीय खेलों को मेला गुहाल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल करने के लिए महापौर अजय सिंह और नगर आयुक्त शिपू गिरि का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल के बढ़ते प्रभाव के बीच बच्चों को पारंपरिक खेलों और बचपन की गतिविधियों से जोड़ने का यह सार्थक प्रयास है। उन्होंने आयोजन में सहयोग के लिए क्रीड़ा भारती और जेवी जैन डिग्री कॉलेज का भी धन्यवाद किया। कार्यक्रम में उपसभापति मयंक गर्ग, मेला संयोजक संजय सैनी, आयोजन समिति अध्यक्ष दिग्विजय चौहान, अशोक गुप्ता, पारंपरिक संजय गर्ग और सुनील पंवार, पूर्व उपसभापति मुकेश गक्खड़, पूर्व ब्लॉक प्रमुख शिव कुमार राणा, योगेश दहिया, अनुज वीर, अशोक सक्सेना, रामकुमार सिंह, संजीव सोनरी, कमल गर्ग, ललित कटारिया सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

नहीं खुशी ने शिव तांडव स्तोत्र गाकर मोहा मन, कमेटी ने किया सम्मान



मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला मंचन के दौरान सात वर्षीय बालिका खुशी शर्मा की भक्तिमय प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। मंच पर नहीं खुशी ने अपनी मधुर आवाज में शिव तांडव स्तोत्र और भजनों का ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल श्रद्धालुओं की तालियों से गूँज उठा। बालिका की अद्भुत प्रतिभा को देखते हुए कमेटी के पदाधिकारियों ने खुशी शर्मा और उनके दादा (बाबा)

विनोद कुमार मिश्रा को पटका पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। परशुराम सेवा दल के अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि इतनी कम उम्र में खुशी को शिव तांडव स्तोत्र, हनुमान चालीसा और मां दुर्गा के विभिन्न भजन पूरी तरह कंठस्थ हैं। नहीं बालिका की विलक्षण स्मरण शक्ति और धार्मिक भजनों के प्रति उसकी गहरी रुचि ने रामलीला में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और गणमान्य लोगों को अत्यधिक प्रभावित किया।

गाजियाबाद में नशीले कफ सिरप के अवैध कारोबार का भंडाफोड़, 85.80 लाख का माल बरामद

गोदाम में छिपाकर रखी थीं कोडीन युक्त सिरप की 49,600 बोतलें, तीन तस्कर गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कमिश्नरेंट गाजियाबाद पुलिस ने नशीले कफ सिरप के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में कोडीन युक्त सिरप बरामद किया है। ऑपरेशन प्रहार के तहत स्वाट टीम, सर्विलांस टीम और औषधि विभाग की संयुक्त कार्रवाई में साहिबाबाद स्थित कसाना ब्रेन कंपाउंड के एक गोदाम से 49,600 बोतलें बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, बरामद सिरप की कुल 310 पेटियों की कीमत 85 लाख 80 हजार 800 रुपये आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपितों ने कोडीन युक्त कफ सिरप



की बड़ी खेप गोदाम में छिपाकर रखी हुई थी। संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए सिरप की खेप बरामद की। इतनी बड़ी संख्या में नशीले सिरप की बोतलें मिलने के बाद पुलिस और संबंधित विभागों की जांच तेज हो गई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि सिरप की खेप कहाँ से लाई गई थी, इसे गोदाम तक पहुंचाने में किन लोगों की भूमिका

थी और आगे इसकी आपूर्ति किन स्थानों पर की जानी थी। प्रारंभिक जांच में इस अवैध कारोबार का नेटवर्क हिमाचल प्रदेश से दिल्ली होते हुए बिहार तक फैला होने का आरोप सामने आया है। पुलिस अब सिरप की खरीद, भंडारण और आपूर्ति से जुड़े संघर्षों की कड़ियों जोड़ने में जुटी है। जांच में दिल्ली के कारोबारी भोला का नाम भी सामने आया है, जिसकी तलाश की जा रही

है। पुलिस उसके संभावित ठिकानों और कारोबार से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। कोडीन युक्त सिरप का बिना वैध अनुमति और निर्धारित नियमों के विपरीत भंडारण एवं वितरण नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़ा गंभीर मामला है। इस तरह की दवाओं का दुरुपयोग स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। पुलिस और औषधि विभाग की संयुक्त कार्रवाई का उद्देश्य अवैध भंडारण तथा आपूर्ति की कड़ियों का पता लगाना और कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करना है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पृष्ठताछ कर रही है और मामले में आगे की जांच जारी है।

स्कूल प्रधानाचार्या के घर घुसकर मारपीट, CCTV का DVR ले गए बदमाश

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। ब्रजघाट स्थित दंडी स्वामी स्कूल की प्रधानाचार्या अंजना बंसल के घर में घुसकर तीन अज्ञात बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की और घर में जमकर उलटा मचाया। घटना देर रात करीब 3:30 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित प्रधानाचार्या के अनुसार, बदमाशों ने घर में दखल होकर उन्हें बंधक बना लिया



और उनके साथ बुरी तरह मारपीट की। पीड़िता ने चोरी की मंशा से वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई है। शांति बरामाश घटना से जुड़े साक्ष्य मिलाने की नीयत से स्कूल और परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर (DVR) भी अपने साथ निकालकर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस बदमाशों की शिनाख्त करने और वारदात के पीछे के मुख्य कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

रामलीला मंचन: श्री राम बारात, वनवास और केवट संवाद पर झूमे भक्त

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़, ब्रजघाट और बक्सर क्षेत्र में आयोजित श्री रामलीला कार्यक्रमों के दौरान धार्मिक और सांस्कृतिक छटा देखने को मिली। बक्सर सिंघावली में श्री रामलीला के अवसर पर धूमधाम से श्री राम बारात निकाली गई, जिसमें विभिन्न मनमोहक झांकियां शामिल रही। वहीं गढ़ नगर के बारहदरी मैदान



और क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के वन गमन तथा केवट-राम संगीत का भावपूर्ण मंचन किया गया। गढ़ के बारहदरी मैदान में कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मंचन के दौरान दिखाया गया कि भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता वन की ओर प्रस्थान करते हैं, जिनके पीछे राजा दशरथ द्वारा मंत्री सुमंत को भेजकर उन्हें वापस लाने का अनुरोध किया जाता है। हालांकि, भगवान श्रीराम सुमंत को जंगल में ही वापस लौटने का आग्रह आगे बढ़ जाते हैं। इसके बाद निराश राजा के साथ गंगा तट पर पहुंचने पर केवट अपने परिवर्जनों के साथ उनका भव्य स्वागत करता है। गंगा पार कराने से पहले केवट ने जिस प्रेम और भक्तिभाव के साथ भगवान श्रीराम के चरण पखारकर उन्हें नाव से पार कराया, उस मर्मस्पर्शी प्रसंग ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। इस दौरान गढ़ क्षेत्र के गांव लुहारी सहित अन्य स्थानों पर भी रामलीला के विभिन्न प्रसंगों का मंचन किया गया।

निवाड़ी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पशु चोरी की घटना में दो अभियुक्त गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। थाना निवाड़ी पुलिस टीम ने पशु चोरी की घटना के मामले में कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में पशु चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ कर घटना से संबंधित अन्य जानकारीयां जुटाने में लगी है। पशु चोरी की घटनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसे मामलों में चोरी किए गए पशुओं की बरामदगी और घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी पीड़ितों के लिए महत्वपूर्ण होती है। थाना निवाड़ी पुलिस द्वारा मामले में की गई कार्रवाई के बाद अब घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस टीम गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के आधार पर चोरी की घटना से संबंधित जानकारी जुटा रही है। मामले में आरोपियों की सलिमता, चोरी की वारदात को अंजाम देने के तरीके और अन्य संभावित जानकारीयों की जांच की जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाकर नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाए।



भाजपा अनुसूचित मोर्चा के नए जिलाध्यक्ष बने संजय सहारनपुरिया

हापुड़ (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की कड़ी में हापुड़ जिले में बड़ा बदलाव किया है। लखनऊ स्थित प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर वरिष्ठ एवं समर्पित पार्टी कार्यकर्ता संजय सहारनपुरिया को भाजपा अनुसूचित मोर्चे का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और सहकर्मी में भारी उत्साह देखने को मिला। संजय सहारनपुरिया वर्ष 1992 से निरंतर भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और लंबे समय से संगठन के विभिन्न पदों पर रहते हुए निष्ठापूर्वक कार्य कर रहे हैं। पार्टी सूची के अनुसार, आगामी चुनावों के दृष्टिगत बूथ स्तर तक अनुसूचित वर्ग के बीच पैठ और संगठन को अधिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष संजय सहारनपुरिया ने शीघ्र नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष सहित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि 'सबका साथ और जनसेवा' के मूलमंत्र के साथ संगठन को हर स्तर पर मजबूत बनाया जाएगा।

पुराना विजयनगर गाजियाबाद में ताड़का वध का मंचन किया गया

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। रामलीला के अध्यक्ष श्री लेखराज माहौर एड. ने बताया कि श्री विजय रामलीला कमेटी पुराना विजय नगर गाजियाबाद में रावण के राज में राक्षसों का बहुत उत्पीड़न बढ़ने लगता है। लंका सहित अन्य देशों में भी रावण का उत्पीड़न बढ़ता जा रहा था। राक्षस ऋषि मुनिगंथ व सामान्य जनता का बहुत शोषण कर रहे थे। तब महर्षि विश्वामित्र जी अयोध्या जाते हैं और राजा दशरथ जी से मदद मांगते हैं कि आप राम और लक्ष्मण को हमारी मदद में भेज भेज दो। राजा दशरथ राम और लक्ष्मण को महर्षि विश्वामित्र जी के आश्रम में भेज देते हैं तभी वहां पर ताड़का नमक शंखसनी का आतंक होता है और राम और लक्ष्मण के द्वारा ताड़का वध किया जाता है।

	गाजियाबाद नगर निगम (I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)
पत्रांक 140 / विभाग 2026-27	ई-वेबड लिंकिदा सूचना दिनांक: 13.10.2026
गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्रियोरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है, उक्त निविदा हेतु 03 प्रतिशत की वारंश धनराशि एवं निविदा शुल्क (नॉन रिफंडेबल) वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर जमा करना अनिवार्य होगा।	
ऐसे निविदादाता/फर्म जो नगर निगम गाजियाबाद में पंजीकृत नहीं है, के लिए शासनादेश संख्या-3890 / ती-5-19-149या / 2019 दिनांक 20.09.2019 के आशोक में निविदादाता को बरिस प्रमाण पत्र, हेसियत प्रमाण पत्र, समान कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र तथा जी.एस.टी. नम्बर वेबसाइट पर अपलोड करना आवश्यक होगा।	
विरुद्ध निविदा सूचना/नियम व शर्तें http://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।	
मुख्य अभियन्ता, गाजियाबाद नगर निगम	

संक्षिप्त

समाचार

यूपीआईशुल्ककेविरोधमें15 कोमनाएंगेकालादिवस

आगरा , एजेंसी। यूपीआई लेन-देन पर शुल्क लगाए जाने के विरोध में व्यापारी लामबंद हो गए हैं। सोमवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम झापन सौंपकर शुल्क तुरंत निरस्त करने की गुहार लगाई। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जबरन शुल्क लागू किया गया तो बाजारों में तालाबंदी की जाएगी, काले झंडे लगाए जाएंगे और 15 अक्तूबर को काला दिवस मनाते हुए डिजिटल लेन-देन का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा। संगठन ने छोट और मझोले व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित शुल्क



को तत्काल रद्द करने की मांग उठाई है। जिलाध्यक्ष गिर्राज अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा और डीएम की अनुपस्थिति में एसीएम-1 संतोष कुमार शुक्ला को झापन सौंपा। गिर्राज अग्रवाल ने इससे रोजमर्रा के व्यापार में भारी बाधाएं उत्पन्न होंगी। सरकार व्यापारियों को बाजार बंद कर सामूहिक विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर कर रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार गुरगानी ने कहा कि व्यापारी वर्ग हमेशा से सरकार की नीतियों का समर्थक रहा है लेकिन इसी वर्ग को गलत नीतियों का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतान पड़ रहा है। जिला महामंत्री दीपक शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया, तो इसके परिणाम प्रतिकूल होंगे। इस दौरान व्यापारी नेता किशोर बुधरानी, मेघराज दियालानी, दीपक अग्रवाल, अकिंत बंसल, निखिल मतलानी, शैलेश खंडेलवाल, मुकेश शर्मा और पवन राजानी आदि मौजूद रहे।

भारतमेंहीछिपाहैकफसिरप कांडकामास्टरमाईड

लखनऊ , एजेंसी। कोडीनयुक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार में शुभम जायसवाल का साझेदार वरुण सिंह अब दुबई में नहीं, बल्कि भारत में ही छिपा है। पहले जांच एजेंसी ने दावा किया था कि वह शुभम और गौरव के साथ दुबई में है। मगर, जांच आगे बढ़ने और उसके बारे में जानकारी जुटाने पर पता चला कि वह दुबई से काफी पहले ही भारत लौट चुका है। फिलहाल वह पकड़ से दूर है। उसकी तलाश जारी है।



सिंडिकेट के मास्टरमाईड शुभम जायसवाल के साथ वरुण की भूमिका बेहद अहम रही है। वरुण धनबाद और रांची में सिंडिकेट का कारोबार संभालता था। एसटीएफ की पुछताछ में गिरफ्तार आरोपी आलोक सिंह ने बताया था कि

उसकी बातचीत शुभम के साझेदार वरुण सिंह, गौरव जायसवाल और विशाल मेहरोत्रा से हुई थी। इसके बाद जनवरी 2024 में धनबाद में आलोक के नाम से श्रेयसी मैडिकल एजेंसी की फर्म खुलवाई गई। आलोक और अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा ने इस कारोबार में पांच-पांच लाख रुपये लगाए थे। वर्तमान में आलोक और अमित जेल में हैं। वरुण को लेकर जानकारी मिली थी कि वह शुभम और उसके मोसेरे भाई गौरव के साथ दुबई में है। जब इसकी तस्दीकी गई तो पता चला कि वह दुबई गया तो था, लेकिन काफी पहले ही भारत लौट चुका है। यही वजह है कि एसटीएफ अब शुभम और गौरव को भारत लाने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में है।

15 माह के बच्चे की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, बुढ़ाना का ग्रीन हॉस्पिटल सील

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बुढ़ाना कस्बे में इलाज के दौरान 15 माह के बच्चे की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्रीन हॉस्पिटल को सील कर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर पुलिस बल की मौजूदगी में अस्पताल को सील किया गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। स्वास्थ्य विभाग की शुरूआती जांच में अस्पताल में कुछ खामियां मिलने की बात कही गई है। जानकारी के अनुसार, हिंडन नदी पुल के पार स्थित ग्रीन हॉस्पिटल में गांव बिराल निवासी 15 माह के बच्चे की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का



आरोप लगाया और मुजफ्फरनगर स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग उठाई। शिकायत के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

के प्रभारी डॉ. प्रणव तेवतिया चिकित्सकों की टीम के साथ जांच के लिए अस्पताल पहुंचे। जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम और अस्पताल के कर्मचारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

अधिकारियों के अनुसार, अस्पताल कर्मचारियों ने टीम के साथ अभद्र व्यवहार भी किया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले की शिकायत पुलिस से की और अस्पताल की शिशु नर्सरी में भर्ती बच्चों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए मंगलवार दोपहर 12 बजे तक का समय दिया। मंगलवार को नर्सरी खाली कराने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंची और उसे सील कर दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुनील तेवतिया ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर गठित जांच टीम को शुरूआती जांच में अस्पताल में कुछ कमियां मिली हैं। मामले की जांच पूरी होने तक अस्पताल को सील रखने की कार्रवाई की गई है।

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खतौली में ठाकुरद्वारा बड़ा बाजार में आयोजित 116वें रामलीला वार्षिकोत्सव में धार्मिक आस्था और भारतीय संस्कारों की अनुपम झलक देखने को मिल रही है। रामलीला के विभिन्न प्रसंगों का मंचन दर्शकों को भावविभोर कर रहा है। इसी क्रम में श्रवण कुमार की लीला ने दर्शकों को भावुक कर दिया और माता-पिता की सेवा, सम्मान तथा समर्पण का संदेश दिया। रामलीला के एक अन्य प्रसंग में भगवान राम और केवट संवाद का मंचन गंग नहर पर किया गया। भगवान राम को सरयू नदी पार कराने की लीला के मंचन के लिए आयोजन स्थल से निकली यात्रा का लोधा कॉलोनी के बाहर नगरवासियों ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद



गंग नहर पर केवट द्वारा भगवान राम को नदी पार कराने के प्रसंग का मंचन हुआ। धार्मिक उल्लास के बीच निकली यात्रा से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ आयोजन में सहभागिता की।

यह संदेश दिया कि माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान प्रत्येक संतान का सर्वोच्च कर्तव्य है। इस प्रसंग ने भारतीय पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों की महत्ता को उजागर किया। रामलीला के आयोजन की जिम्मेदारी समिति के सदस्यों ने संभाली। समिति के अध्यक्ष गणेश शंकर पालीवाल, कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, मंत्री राजेंद्र जैन, कुलबीर सिंह कर्णवाल, दुष्यंत शर्मा अन्नू, ज्ञानेश्वर शर्मा, परवीन शर्मा, सतीश वर्मा, अनुपम गौड़, मनोज सैनी, कन्हैया मित्तल, आदर्श नागर, वृजभूषण, राजेंद्र वर्मा, अनिल त्यागी, मनन गुप्ता, शिवम मित्तल और गौरव शर्मा सहित अन्य सदस्य आयोजन को सफल बनाने में जुटे रहे।

नौकरशाही भी सुधरे

● कहे भाजपा के इशारे पर नहीं करेगा काम

लखनऊ , एजेंसी। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग और नौकरशाही भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को अपने हिसाब से चला रही है। लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। भाजपा सत्ता से हटेगी, तभी यह संकट हटेगा।

अखिलेश ने डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर लोहिया पार्क में श्रद्धांजलि देने के बाद ये बातें पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि चुनाव अयोग का रवैया और कार्य भेदभावपूर्ण है। अब दोबारा से वोट बनाने का अभियान चल रहा है, जिस एसआईआर प्रक्रिया में करोड़ों रूपए खर्च हुए, प्रचार हुआ और पूरा प्रशासन लगा, अब उसे शून्य कर दिया गया। एसआईआर में किसी का फर्जी वोट नहीं बनना चाहिए था, लेकिन मतदाता सूची में लाखों वोट फर्जी बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि आजमगढ़ की सदर विधानसभा में एक ही व्यक्ति के दस वोट बन गए हैं। चुनाव



विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। जनता और सपा कार्यकर्ता भाजपा की चार सौ बीसी नहीं चलने देंगे।

अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग

से हर बूथ पर दो-दो सौ वोट बढ़ाने के लिए कहा था। मुख्यमंत्री ने ऐसा निर्देश इसलिए दिया, क्योंकि उन्हें पता है कि चुनाव आयोग भाजपा और सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। भाजपा चाहती है जो उसके सदस्य है, मतदाता सूची में सिर्फ उन्हीं का नाम रहे। केवल भाजपा के सदस्य ही देश के नागरिक रहें। हम सब जानते हैं कि जिसका वोट नहीं, वह देश का नागरिक नहीं रहेगा।

आजमगढ़ की सदर विधानसभा में विकास यादव नाम के दस वोट हैं, एक वोट विकास यादव डालेगा और बाकी नौ वोट भाजपा के लोग डाल देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पत्रकारों और प्रदर्शनकारियों के साथ अमानवीय और बर्बरतापूर्ण कर्बवाई कर रही है। महिला पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है। भाजपा ने हिटलर की तर्ज पर प्राइवेट फोर्स बना रखी है। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी व श्याम लाल पाल प्रदेश भी उपस्थित रहे।

केएन मोदी विश्वविद्यालय में नारी शक्ति अभियान का आयोजन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान के तहत मंगलवार को नगर स्थित डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर विशेष जागरूकता फैलाई गई, साथ ही विश्वविद्यालय से जुड़े संस्थानों के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, उप जिलाधिकारी कोमल पवार ने अपने संबोधन में कहा कि नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान ही एक सशक्त एवं समृद्ध समाज का मुख्य आधार है। उन्होंने प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बालिकाओं से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर आगे बढ़ने की अपील की। एसपी सिद्धार्थ गौतम ने पुलिस विभाग की ओर से महिलाओं और बालिकाओं



की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों और हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं-वृंदा, पूजा शर्मा, पारित सिरोही, नीलू, संचिता,

निरुपमा देवी और अवनी नेहरा को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीएन ऋषिकेश ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. यूएन मिश्रा, प्राचार्य डॉ. पूजा शर्मा और डॉ. एकता भारद्वाज सहित विश्वविद्यालय के तमाम शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

समाज के हित में हो शोध का इस्तेमाल

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में सोमवार को ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीफंक्शनल मैटेरियल्स फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एनसीएमआईएसडी-2026) में देशभर के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और शोधार्थियों ने चर्चा की। कुलपति जेपी सैनी ने शोध को प्रयोगशालाओं से निकालकर समाज के काम लाने पर जोर दिया।

कुलपति ने कहा कि शोध को केवल अकादमिक जर्नल तक सीमित न रखकर जनकल्याण से जोड़ना जरूरी है। सम्मेलन में ग्रेफीन, कंपाउंड सेमीकंडक्टर, हरित नैनो टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक चिप और लिथियम-आयन बैटरी जैसी आधुनिक तकनीकों पर विचार रखे गए। मुख्य अतिथि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के कुलपति अजय तनेजा ने ग्रेफीन की क्षमताओं की जानकारी दी। डीआरडीओ के पूर्व निदेशक भुवनेश कुमार ने शोध परियोजनाओं के वित्तपोषण में तकनीकी तैयारी स्तर (टीआरएल) के महत्व को समझाया। उन्होंने वैज्ञानिकों से 2040 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के लिए काम करने का आह्वान किया।

नगीना में बड़ा हादसा टला, गड्डे में गिरी स्कूली बस में सवार 50 बच्चे सुरक्षित

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना-नहटौर मार्ग पर ग्राम अमरौली के पास मंगलवार सुबह स्कूली बच्चों से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के दौरान बस में करीब 50 बच्चे सवार थे। दुर्घटना में पांच से छह बच्चों को मामूली चोटें आने की जानकारी सामने आई है, जबकि अन्य बच्चे सुरक्षित बताए गए हैं। गनीमत रही कि बस सड़क किनारे खड़े यूकेलिटस के पेड़ों के सहारे रुक गई और पलटने से बच गई। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, सेंट मैरी स्कूल की बस मंगलवार सुबह बच्चों को लेकर जा रही थी। ग्राम अमरौली के पास मार्ग पर एक कार को रास्ता देने के दौरान बस चालक का नियंत्रण बिगड़ गया। इसके बाद बस सड़क से नीचे उतरकर गड्ढे में जा गिरी। अचानक हुए हादसे से बस में सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और बच्चों की



मदद में जुट गए।

बस के पेड़ों के सहारे रुकने के कारण वह पलटने से बच गई, जिससे बच्चों को गंभीर चोटें आने की आशंका टल गई। हादसे में मामूली रूप से घायल पांच से छह बच्चों को लेकर स्थानीय स्तर पर जानकारी सामने आई है। दुर्घटना के बाद बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता बनी रही।

हालांकि, बस में सवार अन्य बच्चों के सुरक्षित होने से राहत मिली। घटना ने ग्रामीण मार्गों पर स्कूली वाहनों की सुरक्षित आवाजाही और सड़क की स्थिति को लेकर सवाल खड़े किए हैं। ऐसे मार्गों पर वाहन चलाते समय सावधानी बरतना और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

एकीकृत ट्रॉमा व्यवस्था से कम हो सकता है चोट से होने वाली मौत का ग्राफ

वाराणसी , एजेंसी। आईएमएस बीएचयू में भारतीय ट्रॉमा एवं एम्यूट केयर सोसाइटी के चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन में ट्रॉमा में इलाज से जुड़ी बारीकियों से प्रतिभागियों को रूबरू कराया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने चोट से होने वाली मौत को कम करने के लिए एकीकृत ट्रॉमा व्यवस्था को उपयोगी बताया।

चार दिवसीय सम्मेलन में उत्कृष्ट शोध और वैज्ञानिक प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। केएन उडुप्पा सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने साक्ष्य-आधारित उपचार पद्धतियों पर चर्चा की। साथ ही सैन्य ट्रॉमा सत्र में युद्ध के दौरान घायल व्यक्तियों की देखभाल, हवाई निकासी और ट्रॉमा-स्थानांतरण प्रोटोकॉल, लंबे समय तक चलने वाली कैजुअल्टी केयर, शीघ्र निकासी, युद्ध-संबंधी अंग-विच्छेदन के बाद पुनर्वास और उच्च तीव्रता वाले संघर्षों के लिए परिचालन तैयारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। पस्तियों के फेब्रिकर की सर्जरी, अंग-संरक्षण के बारे में भी प्रतिभागियों को बताया गया। समापन समारोह में आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने अकादमिक उत्कृष्टता और शोध योगदान को मान्यता देते हुए यंग फैकल्टी अवॉर्ड, रैजिडेंट पेपर अवॉर्ड, फ्री पेपर अवॉर्ड और पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार सहित विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार से विजेताओं को नवाजा। कार्यक्रम में प्रो. एसके भारतीय, डॉ. शशि प्रकाश मिश्रा, डॉ. सुमित शर्मा, डॉ. विवेक कटियार आदि मौजूद रहे।

कुश्ती में गोचर महाविद्यालय के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

रामपुर मनिहारान (शिखर समाचार)। मां शाकंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की ओर से आयोजित अंतरमहाविद्यालयीय महिला एवं पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में गोचर महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। महिला टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पुरुष टीम दूसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का महाविद्यालय में माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया।

सहारनपुर के मुन्नालाल जय नारायण खेमका महिला महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में गोचर महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में दमदार प्रदर्शन किया। महिला भार वर्ग में 53 किलोग्राम भार वर्ग में दीक्षा, 55 किलोग्राम में ईशा, 59 किलोग्राम में निपुरपाल और 68 किलोग्राम भार वर्ग में निशा ने स्वर्ण पदक जीते। इन उपलब्धियों के दम पर महिला टीम ने प्रतियोगिता



में प्रथम स्थान हासिल किया।

पुरुष वर्ग की फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 71 किलोग्राम भार वर्ग में सुमित और 125 किलोग्राम भार वर्ग में मयंक तोमर ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं, ग्रीको-रोमन स्पर्धा में 55 किलोग्राम भार वर्ग में मयन, 82 किलोग्राम में अनिरुद्ध और 87 किलोग्राम भार वर्ग में उमंग तोमर ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त

किया। महाविद्यालय लौटने पर विजेता खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए पदाधिकारियों ने उनकी उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर महाविद्यालय अध्यक्ष देवराज सिंह, सचिव चौधरी तेज सिंह, उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, बिदू नंबरदार, प्राचार्य ओमकार सिंह, विभागाध्यक्ष बालेंद्र सिंह, ब्रीडाधिकारी आलोक पांडेय और टीम प्रबंधक अनुज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

काशीकेरंगमंचपरउतरी महाकवि प्रसादकीअमर कृति‘ध्रुवस्वामिनी’शहीदों केपरिजनसम्मानित

वाराणसी , एजेंसी। नागरी नाटक मंडली के मुरारी लाल प्रेक्षागृह में सोमवार को महाकवि जयशंकर प्रसाद की नाट्य रचना ध्रुवस्वामिनी का मंचन हुआ। यह आयोजन भारतेन्दु नाट्य अकादमी, संस्कृति विभाग, नागरी नाटक मंडली न्यास और जिला प्रशासन वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

मुख्य अतिथि यूपी सरकार के आयुज मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालू ने कहा कि सरकार प्रदेश के भौतिक संसाधनों के विकास के साथ अपनी समृद्ध संस्कृति और संस्कारों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। पद्मश्री डॉ. राजेश्वर आचार्य ने जयशंकर प्रसाद को नमन करते हुए कहा कि ध्रुवस्वामिनी भारतीय मातृ चेतना और स्वाभिमान को सशक्त रूप से अभिव्यक्त करती है। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर शहीद सैनिकों के परिजनों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नागरी नाटक मंडली न्यास के सदस्य डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी मौजूद थे।

खतौली रामलीला में श्रवण कुमार की लीला ने नम कीं दर्शकों की आंखें, माता-पिता की सेवा का दिया संदेश



टावर उपकरण चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, बीस लाख का सामान बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के हजरतपुर जाने वाले रास्ते पर फेकिंग के दौरान पुलिस ने एक शांतिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से मोबाइल टावर में लगने वाले आर.आर.यू. उपकरण, चार भारी बैटरी (कुल कीमत करीब 20 लाख रुपये) और नकदी बरामद की गई है। पुलिस अब आरोपी से अन्य चोरी की वारदातों के बारे में भी पूछताछ कर रही है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि दादरी कोतवाली पुलिस हजरतपुर गांव के रास्ते पर वाहनों और सड़ियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान गाजियाबाद के हिंडन विहार निवासी कपू मंसूरी संदिग्ध अवस्था में पैदल जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने पास आने पर उसे रोककर तलाशी ली, तो उसके पास से मोबाइल टावर का आर.आर.यू. उपकरण बरामद हुआ। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने मोबाइल टावर से उपकरण चोरी करने की बात कबूल कर ली। इसके बाद पुलिस उसे कोतवाली ले आई, जहां उसकी निशानदेही पर चार बैटरियां, तीन मोबाइल टावर आर.आर.यू. उपकरण और 260 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश और पुरानी वारदातों की जांच में जुटी हुई है।

रामलीला में धनुष यज्ञ और परशुराम-लक्ष्मण संवाद का सजीव मंचन

रवपुरा (शिखर समाचार)। कस्बे की नई अनाज मंडी में श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला में मंगलवार को धनुष यज्ञ, रावण-बकासुर संवाद और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का मममोहक मंचन किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने रामलीला में नंद किशोर वंशिष्ठ के निर्देशन में पारंपरिक ब्रज शैली के जरिए रामायण के इन ऐतिहासिक प्रसंगों को बेहद जीवंत कर दिया। मंचन के दौरान उस समय दर्शकों की उत्सुकता चरम पर पहुंच गई, जब भगवान राम ने ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा लेकर शिव धनुष को सहजता से खंडित कर दिया। धनुष टूटने की गुंज के साथ ही आकाश से फूलों की वर्षा हुई और माता सीता ने आगे बढ़कर भगवान राम के गले में वरमाला डाल दी।

परशुराम और लक्ष्मण संवाद ने मोहा मन

शिव धनुष टूटने की आवाज सुनकर क्रोधित होकर सभा में पहुंचे महर्षि परशुराम और लक्ष्मण के बीच तीखी व हास्य-व्यंग्य से भरपूर बहस हुई, जिसे देखकर दर्शक मुग़्ध हो गए। इसके बाद भगवान राम ने अत्यंत विमनसा के साथ आगे आकर परशुराम जी को शांत किया और स्वीकार किया कि धनुष उन्होंने ही तोड़ा है। इससे पहले सीता स्वयंवर का भी भव्य मंचन किया गया, जिसमें देश भर से आए राजा-महाराजाओं द्वारा धनुष हिलाने तक में असमर्थ रहने का दृश्य दिखाया गया। इस दौरान अहंकार वश धनुष उठाने पहुंचे रावण की उंगली उसके नीचे दब गई, जिसे बकासुर ने कड़ी भयावकत के बाद बाहर निकाला। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान विजय कुमार तायल, गिरिराज शर्मा, राकेश वर्मा, हरीश शर्मा, नरेश गोयल, मनोज तायल, नीरज गर्ग, सुधीर गोयल और सुनील तायल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री दुर्गे मंदिर में 62वें नवरात्रि मेले के तहत विशाल पुरुष कबड्डी टूर्नामेंट का शुभारंभ

जेवर (शिखर समाचार)। ऐतिहासिक श्री दुर्गे मंदिर परिसर में आयोजित 62वें नवरात्रि मेले के दूसरे चरण के अंतर्गत मंगलवार को विशाल पुरुष कबड्डी टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। तीन दिनों तक चलने वाले इस रोमांचक टूर्नामेंट में विभिन्न प्रदेशों से लाभागावत दर्जन दिनों में हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट का उद्घाटन जेवर नगर पंचायत के चेयरमैन श्री नारायण महेश्वरी ने फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर विधिवत रूप से किया। उद्घाटन के अवसर पर मंदिर परिसर में खेल प्रेमियों का भारी उत्साह देखने को मिला, जिससे पूरा वातावरण ऊर्जावान और कीड़ाभ्य हो गया। श्री दुर्गे मंदिर समिति के निदेशानुसार कुलदीप पंडित ने जानकारी दी कि इस प्रतिযোগिता विजेता (प्रथम स्थान) रहने वाली टीम को 1,01,000 रुपये नकद और एक आकर्षक ट्रॉफी प्रदान की जाएगी, जबकि उपविजेता (द्वितीय स्थान) रहने वाली टीम को 71,000 रुपये नकद और ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट आगामी गुरुवार तक जारी रहेगा, जिसमें रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

503 परिषदीय स्कूलों में बननेगे किचन गार्डन, मिलेगी ताजी सब्जी और प्रैक्टिकल ज्ञान

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले के परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अब किताबी शिक्षा के साथ-साथ कृषि और पर्यावरण का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग ने जिले के 503 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 'किचन गार्डन' (पोषण वाटिका) विकसित करने की महत्वपूर्ण पहल की है। इससे न केवल स्कूल परिसर हरे-भरे होंगे, बल्कि मिट्ट-डे मील में बच्चों को ताजी और जैविक मौसमी सब्जियां भी खाने को मिलेंगी। विभाग द्वारा प्रत्येक चिन्हित स्कूल को किचन गार्डन तैयार करने के लिए ₹1500 का बजट आवंटित कर जारी कर दिया गया है। विद्यालय परिसर में उपलब्ध खाली भूमि पर मौसमी सब्जियों, फलदार पौधों और औषधीय वनस्पति की बागवानी की जाएगी। इस योजना के तहत छात्र-छात्राएं स्वयं पौधों की देखभाल और सिंचाई करेंगे, जिससे उन्हें वैज्ञानिक नामों और वनस्पतियों के महत्व के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलेगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) दीपा भाटी ने बताया कि इस योजना से बच्चों में प्रकृति के प्रति जुड़ाव बढ़ेगा और उनमें नई चीजें सीखने की रुचि विकसित होगी। सभी संबंधित प्रधानाध्यापकों को परिसर में जल्द से जल्द स्थान चिन्हित कर किचन गार्डन स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भोजपुर पुलिस पर बरामदगी में जेवरता बदलने का आरोप, एसीपी कार्यालय के बाहर हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना पुलिस पर चोरी के मामले में बरामद असली जेवरत की जगह नकली जेवरत देने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित परिवार ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर तहसील मुख्यालय स्थित एसीपी कार्यालय के बाहर जमकर हंगामा किया और मामले में निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। भोजपुर थाना क्षेत्र के कलछीना गांव निवासी अशोक कुमार के घर से करीब दो महीने पहले जेवरत और नकदी चोरी हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान और नकदी बरामद करने का दावा किया था। पुलिस ने पीड़ित परिवार से कहा था कि कोई भी अनुमति मिलने के बाद ही बरामद जेवरत उन्हें सौंपे जाएंगे। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जब वे कोर्ट से अनुमति पत्र लेकर भोजपुर थाने पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें जो जेवरत दिए, वे असली की बजाय नकली निकलें। परिवार का यह भी आरोप है कि आरोपियों के पास से 50 हजार रुपये की नकदी भी बरामद हुई थी, लेकिन पुलिस वह नकदी भी उन्हें नहीं दे रही है। इसी बात से आक्रोशित होकर पीड़ित परिवार एसीपी कार्यालय पहुंचा। एसीपी ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जेवरत की अदला-बदली के आरोप पूरी तरह निराधार हैं, फिर भी परिवार की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की गहनता से जांच कराई जाएगी।



गन्ना भुगतान और किसानों की समस्याओं पर भड़की भाकियू, शामली कलक्ट्रेट में अनिश्चितकालीन धरना शुरू

शामली (शिखर समाचार)। बकाया गन्ना भुगतान सहित किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने मंगलवार को शामली कलक्ट्रेट में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिलाध्यक्ष आशीष चौधरी के नेतृत्व में पहुंचे सैकड़ों किसानों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई। दोपहर करीब दो बजे तक जिला प्रशासन की ओर से वार्ता नहीं होने पर किसानों ने धरना जारी रखने का ऐलान कर दिया। इस दौरान कलक्ट्रेट परिसर में फरियादियों और कर्मचारियों के लिए पेयजल की

उचित व्यवस्था नहीं होने पर भी नाराजगी जताई गई। धरने पर बैठे किसानों ने थानाभवन चीनी मिल से बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान करने, गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने और उच्च न्यायालय के आदेशानुसार ब्याज सहित भुगतान दिलाने की मांग की। इसके अलावा घरेलू बिजली कनेक्शनों पर बढ़ाया गया भार वापस लेने, रात के समय विद्युत विभाग की छापेमारी बंद करने और कथित अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग उठाई। किसानों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने तथा



जिलाधिकारी न्यायालय में लंबित किसान मामलों का निस्तारण कराने की मांग भी की। उन्होंने सहायक

संभागीय परिवहन अधिकारी और वातायत पुलिस द्वारा 10 से 15 वर्ष पुराने वाहनों पर बिना पूर्व सूचना

कार्रवाई किए जाने पर रोक लगाने की मांग रखी। भाकियू पदाधिकारियों ने आवारा पशुओं को पकड़कर

गोशालाओं में भेजने, रबी की फसल के लिए यूरिया और डीएपी खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा शामली बाईपास, गोरहनी चौराहे और बधैव चौराहे सहित प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। धरने के दौरान किसानों ने कलक्ट्रेट परिसर में भोजन की व्यवस्था कर भंडारा भी शुरू कराया। इस अवसर पर जावेद तोमर, विदेश मलिक, बृटा सिंह, गीता, स्वाति खोखर, प्रभात मलिक, प्रशांत चौधरी, विनोद गोहरनी, मास्टर जाहिद, मोहित शर्मा, शमशेर जंग, मेहरदीन और अब्बास प्रमुख सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

छोटा हरिद्वार घाट पर हुआ श्रीराम-केवट संवाद का मंचन, उमड़े श्रद्धालु

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री बड़ी रामलीला कमेटी के तत्वावधान में नगर में भगवान श्रीराम की भव्य वनवास यात्रा निकाली गई, जिसके दौरान विभिन्न मार्गों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। यात्रा गंगनहर स्थित छोटा हरिद्वार घाट पर पहुंची, जहां कलाकारों द्वारा श्रीराम-केवट संवाद का अत्यंत भावपूर्ण और सजीव मंचन किया गया।

रामलीला ग्राउंड से शुरू होकर यात्रा मेन बाजार, ओलंपिक तिराहा, गुडमंडी, सुभाष मंडी, टंकी रोड, विजय मंडी और बस स्टैंड से होते हुए छोटा हरिद्वार घाट पहुंची। यहाँ केवट ने पूरी श्रद्धा के साथ भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण को नाव से पार कराया। प्रसंग के दौरान जब माता सीता ने उतराई स्वरूप अपनी अंगूठी देनी चाही, तो केवट ने प्रभु के चरणों के प्रति अपनी अगाध भक्ति दिखाते हुए उसे लेने से इंकार कर दिया और केवल प्रभु के चरण पखारने को ही अपना सौभाग्य बताया। इस मार्मिक दृश्य ने घाट पर मौजूद सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

श्रवण कुमार और राजा दशरथ मरण का मंचन

रात्रि कालीन रामलीला मंचन में वनगमन के पश्चात श्रवण कुमार की कथा और राजा दशरथ के मरण के मर्मस्पर्शी प्रसंगों का मंचन किया गया। श्रीराम के वनवास जाने के बाद अयोध्या में छाए शोक और सारथी सुमंत के लौटने पर राजा दशरथ की व्याकुलता का सजीव चित्रण देख



दर्शकों की आंखें नम हो गईं।

इस अवसर पर कमेटी के दीपक मित्तल, अंकुर मित्तल, मोहित मुंडे, विपिन गर्ग, अंकित गर्ग, सतीश मित्तल, सचिन गोयल, नवीन गर्ग और हरिमोहन गोयल सहित बड़ी संख्या में कमेटी के अन्य सदस्य व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शामली में अक्टूबर में जुटेंगे ब्राह्मण समाज के लोग, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सम्मेलन की तैयारी

शामली (शिखर समाचार)।

आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर ब्राह्मण समाज की राजनीतिक भागीदारी और संगठनात्मक एकजुटता को लेकर परशुराम युवा जागृति मंच ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को शिव कॉलोनी स्थित मंच के कैप कार्यालय पर आयोजित मासिक बैठक में अक्टूबर में ब्राह्मण समाज का विशाल सम्मेलन कराने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता विजय कौशिक ने की, जबकि संचालन योगेश भारद्वाज ने किया। इस दौरान संगठन के विस्तार और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक में विजय कौशिक ने बताया कि प्रस्तावित सम्मेलन में जनपद के सभी संगठनों को साथ लेकर अधिक से अधिक ब्राह्मण समाज के लोगों को आमंत्रित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से समाज के लोगों को एक मंच पर लाने और आपसी समन्वय मजबूत



करने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। मंच के संस्थापक अध्यक्ष योगेश भारद्वाज ने कहा कि सम्मेलन ब्राह्मण समाज की राजनीतिक भागीदारी को लेकर विचार-विमर्श करने का

महत्वपूर्ण अवसर होगा। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन की ओर से हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में समाज के लोगों से आपसी एकता बनाए रखने और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने की अपील भी की गई।

इस अवसर पर दीपक शर्मा, पुनीत शर्मा, विक्रान्त भार्गव, अंकित कौशिक, महेश शर्मा, राजू शर्मा, अरविंद शर्मा, दीपक वशिष्ठ, सजुज शर्मा, उदयभान शर्मा, विकास शर्मा, अमरीश शर्मा, निशांत भार्गव, गौरव शर्मा, शेकी शर्मा और संदीप शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिलाई चीनी मिल पर किसानों के बकाया गन्ना भुगतान को लेकर सख्ती, डीएम ने दी कार्रवाई की चेतावनी

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जनपद की सभी चीनी मिलों के प्रबंधकों के साथ बैठक कर पिछले पेरार्ड सत्र के गन्ना मूल्य भुगतान की समीक्षा की। समीक्षा में सामने आया कि बिलाई चीनी मिल को छोड़कर जिले की अन्य सभी चीनी मिलों ने किसानों को पिछले पेरार्ड सत्र के गन्ने का पूरा भुगतान कर दिया है। इस पर जिलाधिकारी ने बिलाई चीनी मिल प्रबंधन के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए बकाया भुगतान जल्द सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और भुगतान नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी चीनी मिलों के प्रबंधकों



को आगामी पेरार्ड सत्र शुरू करने के लिए आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेरार्ड सत्र के संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और किसानों को गन्ना आपूर्ति के दौरान असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में सहकारी चीनी मिल नजीबाबाद की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। इस दौरान मिल के लाभ की स्थिति में संचालित होने

की जानकारी सामने आई। जिलाधिकारी ने मिल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बेहतर प्रबंधन और कार्यप्रणाली को आगे भी बनाए रखा जाए, जिससे मिल की आर्थिक स्थिति मजबूत रहे और किसानों को भी इसका लाभ मिल सके। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी सहित जनपद की विभिन्न चीनी मिलों के प्रबंधक और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में छात्राओं की शिकायतें अब सीधे पढ़ेंगी एसीपी कोतवाली नगर उपासना पांडेय, समस्याओं के समाधान के लिए दिए कार्रवाई के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्कूलों में छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान करने के उद्देश्य से कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने शिकायत पेटिका अभियान के तहत कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में एसीपी कोतवाली नगर ने विभिन्न विद्यालयों में स्थापित शिकायत पेटिकाओं से प्राप्त शिकायतों और सुझावों को स्वयं पढ़कर उनकी समीक्षा की। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं को अपनी समस्याएं खुलकर सामने रखने का अवसर देना और उनकी शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

शिकायत पेटिकाओं के माध्यम से छात्राएं अपनी समस्याओं, सुरक्षा संबंधी चिंताओं और अन्य आवश्यक सुझावों को पुलिस तक पहुंचा सकती हैं। एसीपी ने पेटिकाओं से प्राप्त शिकायतों का



अवलोकन करते हुए संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि छात्राओं से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए उनका समयबद्ध निस्तारण किया जाए, ताकि उन्हें अपनी बात रखने के लिए उचित मंच मिल सके। पुलिस की इस पहल का उद्देश्य विद्यालयों में सुरक्षित वातावरण तैयार करना, छात्राओं के मन में

सुरक्षा का विश्वास मजबूत करना और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करना है। शिकायत पेटिका अभियान के जरिए छात्राओं और पुलिस के बीच संवाद स्थापित करने पर भी जोर दिया जा रहा है। शिकायतों की नियमित समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई से विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

संपादकीय

मतदाता के अधिकार पर सियासी संग्राम, लोकतंत्र की विश्वसनीयता दांव पर

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास है और इस विश्वास की बुनियाद मताधिकार पर टिकी होती है। चुनाव केवल वक्लर चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिकों की इच्छा को सत्ता तक पहुंचाने का सवैधानिक माध्यम है। इसलिए जब मतदाता सूची, वोट की निष्पक्षता और निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठते हैं, तो उन्हें महज राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में कथित वोट चोरी, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी राजनीतिक संघर्ष ने लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर नई बहस छेड़ दी है। 13 अक्टूबर 2026 को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा विपक्षी गठबंधन INDIA के सांसदों, छात्र संगठनों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक तथा संयुक्त रणनीति तैयार करने की पहल ने इस विवाद को और व्यापक बना दिया है। सोमवार को दिल्ली में विपक्षी नेताओं ने ह्दमार्च फॉर 'डेमोक्रेसीसूह' निनालकर चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाई। इस प्रदर्शन में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, तुणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी नेताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारी सर्वोच्च न्यायालय की ओर बढ़े, लेकिन रास्ते में लगाए गए अवरोधकों के कारण उन्हें रोका गया। इसके बाद विपक्षी नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित अनियमितताओं को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में संयुक्त याचिका दायर की। मंगलवार को राहुल गांधी के आवास पर चाय पर बैठक और संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के जरिए आंदोलन को आगे बढ़ाने की तैयारी ने संकेत दिया कि विपक्ष इस मुद्दे पर साझा राजनीतिक दबाव बनाने के पक्ष में है। इस घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि विपक्ष की याचिका को लेकर न्यायिक प्रक्रिया अभी शुरूआती चरण में है। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, याचिका में कुछ प्रक्रियागत कमियां सामने आई हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता बताई गई। ऐसे में न्यायालय में सुनवाई और आगे होने वाली कार्रवाई पर नजर रखना जरूरी है। किसी याचिका का दाखिल होना आरोपों के सही साबित होने के बराबर नहीं होता, लेकिन लोकतंत्र में गंभीर शिकायतों की न्यायिक जांच का रास्ता खुला रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विपक्ष ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं और स्वतंत्र समीक्षा की मांग की है। अब उसे अपने आरोपों के समर्थन में ठोस दस्तावेज और सत्यापित उदाहरण प्रस्तुत करने होंगे, ताकि बहस केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित न रहे जाए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य सूची को अधिक शुद्ध और विश्वसनीय बनाना है। मृत व्यक्तियों के नाम हटाना, स्थान बदल चुके मतदाताओं की प्रविष्टियों को दुरुस्त करना और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान करना किसी भी चुनावी व्यवस्था के लिए आवश्यक है। लेकिन इस प्रक्रिया की सफलता केवल हटाए गए नामों की संख्या से तय नहीं हो सकती। असली कसौटी यह है कि कोई पात्र नागरिक गलती से अपने मताधिकार से वंचित न रहे जाए। विपक्ष का आरोप है कि व्यापक स्तर पर नाम हटाए जाने से वास्तविक मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं, जबकि निर्वाचन आयोग का पक्ष है कि सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया नियमों के अनुसार की जा रही है और गलत तरीके से नाम हटने पर पात्र नागरिक दोबारा पंजीकरण करा सकते हैं।

~  **मौलिक चिंतन**  ~
सुंदर वेहरा आंखों को भाता है, लेकिन सुंदर व्यक्तित्व हृदय में स्थान बनाता है।
~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~




विनय संकोची



सुनील कुमार महला

आज विज्ञान और तकनीक का युग है। विज्ञान और तकनीक के इस दौर में मोबाइल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप, टेलीविजन, चार्जर, बैटरी, प्रिंटर और अन्य विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जब ये उपकरण पुराने हो जाते हैं या काम करना बंद कर देते हैं, तो हमसे ई-कचरा पैदा होता है। गौरतलब है कि खराब मोबाइल फोन के अलावा पुराने इयरफोन, यूएसबी केबल, रिमोट, खिलौने, छोटें पंखे और बिजली से चलने वाले अन्य उपकरण भी ई-कचरे में शामिल हैं। आज धरती पर ई-कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है और यह पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी समस्या बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि यदि इन उपकरणों का समय पर सही तरीके से निपटान नहीं किया जाए, तो ये मिट्टी, पानी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते



मनोज कुमार अग्रवाल

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देश भर में और दिल्ली में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का दौर अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है।मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटसिव रिवीजन और कथित तौर पर योग्य मतदाताओं के नाम सूची से हटाने को लेकर विवाद है।सोमवार को इंडिया ब्लाक ने कनापटपेस से सुप्रीम कोर्ट तक एक विरोध मार्च भी निकाला और चीफ जस्टिस से मिलने का प्रयास किया चीफ जस्टिस ने मामला अदालत में विचाराधीन होने का हवाला देते हुए इस पर अदालत से बाहर मिलना चर्चा करना न्यायिक मर्यादा के खिलाफ बताया। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा पिछले कुछ महीनों में एसआइआर प्रक्रिया से जुड़े फेसलों पर आपत्ति जताए जाने की खबरें सामने आई थीं।विपक्ष और विभिन्न संगठन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। इंडिया ब्लॉक द्वारा संसद से सुप्रीम कोर्ट तक विरोध मार्च निकाला गया है, जिसमें राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए हैं। दिल्ली में संसद भवन और जंतर-मंतर के पास ठककर तथा अन्य संगठनों ने प्रदर्शन किया, जिसके बाद कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

ई-कचरा: आधुनिक युग की एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती

हैं। बहरहाल, पाठकों को बताता चलू कि पुराने और बेकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के सुरक्षित निपटान, पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 14 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय ई-कचरा दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि पुराने मोबाइल, छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, केबल और बैटरी को सामान्य कूड़े में फेंकने के बजाय उचित संग्रह केंद्रों तक पहुंचाना चाहिए, ताकि उनका सुरक्षित पुनर्चक्रण किया जा सके। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी। इसकी शुरुआत अपशिष्ट विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फोरम ने की थी। वास्तव में, यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित प्रबंधन और पुनर्चक्रण को बढ़ावा देता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस संगठन की स्थापना वर्ष 2002 में बेलजियम की राजधानी ब्रुसेल्स में हुई थी। हाल फिलहाल, इसमें कोई संदेह या दोराय नहीं है कि विज्ञान और तकनीक ने हमारे जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इनसे जुड़े उपकरणों का गलत तरीके से निपटान पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या बन सकता है। इलेक्ट्रॉनिक कचरे में सीसा और पारा जैसे हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं, जो मिट्टी और पानी को दूषित कर सकते हैं। दूसरी ओर, इसी कचरे में सोना, तांबा और प्ल्युमीनियम जैसी कीमती धातुएं तथा कई उपयोगी पदार्थ भी पाए जाते हैं, लेकिन इन पदार्थों को

पुनर्चक्रण के माध्यम से दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। इससे जहां एक ओर प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है, वहीं पर नए कच्चे माल(रा-मैटिरियल) की आवश्यकता कम होती है। ई-कचरे को खुले में जलाने या असुरक्षित तरीके से तोड़ने से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचता है। इसलिए देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अधिकृत संग्रह केंद्रों या पंजीकृत पुनर्चक्रणकताओं तक पहुंचाए और मनुष्यों, अन्य जीवों तथा प्रकृति के स्वास्थ्य की रक्षा में योगदान दे।

ई-कचरे की स्थिति:- विश्व और भारत-

संयुक्त राष्ट्र की ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर रिपोर्ट-2024 के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनिया भर में लगभग 62 मिलियन टन यानी 6.2 करोड़ टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ। वैश्विक स्तर पर प्रति व्यक्ति औसतन 7.8 किलोग्राम ई-कचरा पैदा हुआ। चिंताजनक बात यह है कि कुल ई-कचरे में से केवल 22.3 प्रतिशत का ही औपचारिक रूप से संग्रह और पुनर्चक्रण किया गया। शेष लगभग 77.7 प्रतिशत ई-कचरा का उचित प्रबंधन नहीं हो सका और उसका बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्रों या कचरा भराव स्थलों तक पहुंच गया। इतना ही नहीं, आज हमारा देश भारत भी ई-कचरे की समस्या से गंभीर रूप से प्रभावित है। दुनिया में चीन और अमेरिका के बाद भारत को ई-कचरा उत्पन्न करने वाले प्रमुख देशों में तीसरे स्थान पर बताया जाता है। भारत में ई-कचरे की मात्रा के संबंध में लगभग 4.5 मिलियन टन यानी 45 लाख टन प्रतिवर्ष का आँकड़ा

सामने आया है। उल्लेखनीय है कि हमारे देश में ई-कचरे का एक बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले कबाड़ी और अन्य लोगों द्वारा संसाधित किया जाता है। उपलब्ध अनुमानों में यह हिस्सा लगभग 80 से 90 प्रतिशत तक बताया गया है। इस काम में सुरक्षा के उचित उपाय नहीं अपनाए जाने पर काम करने वाले लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। ई-कचरे की बढ़ती मात्रा इस समस्या को और गंभीर बना रही है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2010 से 2022 के बीच ई-कचरे में हुई वृद्धि की दर उसके औपचारिक संग्रह और पुनर्चक्रण की वृद्धि दर से लगभग पाँच गुना अधिक रही। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर-2024 के अनुमान के अनुसार, यदि यही स्थिति बनी रही, तो वर्ष 2030 तक दुनिया में ई-कचरे की मात्रा बढ़कर लगभग 82 मिलियन टन यानी 8.2 करोड़ टन प्रतिवर्ष हो सकती है।

ई-कचरा कम करने के लिए क्या करें?

भारत जैसे तेजी से डिजिटल होते देश में मोबाइल फोन, कंप्यूटर, घरेलू उपकरणों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। इसलिए ई-कचरे को केवल सफाई की समस्या मानना उचित नहीं है। यह पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की बचत, जनस्वास्थ्य और जिम्मेदारी के साथ उपभोग करने से जुड़ा विषय है। वास्तव में, ई-कचरे को कम करने के लिए हमें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए।

वोट चोरी के आरोप:राजनीतिक अस्थिरता फैलाने का षडयंत्र

मुंबई के शिवाजी पार्क और अन्य हिस्सों में भी आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और समूहों ने प्रदर्शन किया है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया और नए कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में को वारंट याचिका भी दायर की गई है।

बढ़ते विरोध के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कुछ चुनावी दौरे स्थगित किए गए हैं और चुनाव आयोग के अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर जिस तरह आक्रामकता दिखा रहा है। वह लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन करने जैसा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के त्यागपत्र की मांग को लेकर धरना व रोष प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी और इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विभिन्न दलों के नेताओं द्वारा एसआईआर के विरोध में निकाला रोष प्रदर्शन और वोट चोरी का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति से मिलकर ज्ञानेश कुमार विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने के बीच देश के 124 पूर्व आई.ए.ए., आई.एफ.एस. व आई.पी.एस. तथा अन्य सेवाओं से जुड़े अधिकारियों ने भी देश के जनसाधारण के नाम एक खुला पत्र लिखा है जिस में चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन निरीक्षण का समर्थन किया गया है। पत्र में उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं का आकलन राजनीतिक जुड़ाव के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी चुनाव आयोग के तहत केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों में हार का सामना किया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा अपना पूर्ण बहुमत खो बैठी थी। उस समय चुनावी प्रक्रिया पर जीतने वाले पक्ष ने कोई शिकायत नहीं की थी। भारत सरकार के पूर्व सचिवों, राजदूतों, पुलिस महानिदेशकों, राज्य के मुख्य सचिवों और आवश्यक विभाग के पूर्व महानिदेशकों समेत इन उच्च पदस्थ रहे अधिकारियों ने

कहा कि चुनावी प्रक्रिया में गलतियों को सुधारा जाना चाहिए लेकिन इससे एसआइआर की वेधता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। एसआइआर का उद्देश्य अपात्र मतदाताओं को हटाना है। इस प्रक्रिया में कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन यह भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। बूथों पर कब्जे, मतपेटियों में अपने पक्ष में मतपत्र ठूसने और चुनावी हिंसा के दौर से भारत के बदलाव का जिक्र करते हुए अधिकारियों ने कहा कि आज की चुनावी व्यवस्था में कई त्तरों पर जांच और सुरक्षा उपाय हैं। इनमें मतदान एजेंट, ईवीएम को सील करना, स्ट्रॉंग रूम की सुरक्षा और वीवीपेट से सत्यापन शामिल हैं। उन्होंने पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव का हवाला दिया, जिसमें दोबारा मतदान की नौबत नहीं आई और 1951 के बाद सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया। पूर्व अधिकारियों ने एसआइआर को मतदाता सूची को दुरुस्त करने और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने की आवश्यक प्रक्रिया बताया। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान लगभग 22 लाख मृत मतदाताओं और सात लाख दोहरी प्रविष्टियों की पहचान की गई। पूर्व अधिकारियों ने कहा- हम किसी दल से नहीं जुड़े हैं। हम इसलिए पत्र लिख रहे हैं, क्योंकि बिना पर्याप्त सुबूतों के चुनावों को बार-बार धांधलीपूर्ण बनाने से लोकतंत्र के प्रति जनता का विश्वास कमजोर होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआइआर किसी को मतदाता सूची से बाहर करने का हथियार नहीं है। मसीदा मतदाता सूची अस्थायी होती है और इसमें नाम न होने का मतलब नाम काटा जाना नहीं है। नोटिस और सुनवाई के बिना किसी का नाम नहीं हटाया जाता। पूर्व अधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र उन लोगों से कमजोर होता है, जो बिना सुबूत के पॉलीटिकल नैरेटिव गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर चुनावी व्यवस्था के जरिये लोगों द्वारा खारिज किए जाने के बाद प्रासंगिक

बने रहने की कोशिश है। गौरतलब है कि इससे पूर्व 42 पूर्व न्यायाधीशों ने चुनाव आयोग के समर्थन में खुला पत्र लिखा था। सीजेपी और विपक्षी दलों के नेता देश की व्यवस्था को कमजोर करने व देश की साख व छवि को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं, यह देश हित में नहीं है। एक लोकतांत्रिक सरकार जो देश के संविधान अनुसार काम कर रही है उसके प्रति भ्रम व भ्रांतिया पैदा करना लोकतंत्र के हित में नहीं है। विपक्षी दलों को जहां अपनी कमजोरियों के लेकर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है, वहीं भाजपा व मोदी सरकार की नीतियों से भी सीखने की आवश्यकता है। विपक्षी दल जिस तरह देश में एक नकारात्मक राजनीति माहौल बनाकर स्थापित सरकार व व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है, उससे देश में अराजकता का माहौल बनेगा जो आम आदमी सहित किसी के भी हित में नहीं होगा। सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्षी दलों का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करना जिसके वह स्वयं एक महत्वपूर्ण अंश हैं, अनुचित है। धरने व प्रदर्शन विपक्षी दलों की हाताशी को दर्शाते ही हैं, साथ में जन साधारण की रोजमर्रा की जिंदगी में भी अनेक प्रकार की बाधाएं पैदा करते हैं। भीड़तंत्र को लोकतंत्र पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। अगर ऐसा होता है तो यह स्थिति अराजकता वाली ही होगी तथा जिस की लाठी उसकी भैंस वाली जंगल राज स्थापित होगा, भारत विरोधी शायद यही चाहते हैं। सवाल यह है कि काकरोच पार्टी को आगे कर क्या विदेशों से संचालित भारत विरोधी ताकतें भारत में राजनीतिक अस्थिरता फैला कर भारत को कमजोर करने के मंजूबे को कामयाब करने की कोशिश कर रहे हैं और विपक्षी दल इस में सहयोगी बन कर अपने हाथ धोने की कोशिश कर रहा है। यह बेहद शर्मनाक और खतरनाक अजेंडा है इस को हर कीमत पर नकारना होगा।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो



ललित गर्ग

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है। तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हो या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों की सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक व्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना



को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं। आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अथवा व्यक्तिगत टकराव केंद्र में आ जाते हैं। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया। आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी

सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अप्रुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है। हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, संचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में

भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएँ, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएँ, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है। जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता। अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनविरुद्ध है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वही इतिहास में स्थायी स्थान प्राप्त करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विपक्ष रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा संवैधानिक मर्यादा के समन्वय में खोजा जाए।



निखारें चेहरा संवारेणें अपना भविष्य

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित है, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं— शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लुथरा, ब्लॉसम कोवर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चैन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूँजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है।

खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ दूल्हे का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टेशन आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

गुण क्या हो ?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी कई घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उभाए या थकाए उसका मनोसंदर्भ गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रेंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो ?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकेंयर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मैनिच्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलीजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कोशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सज के पाठ्यक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समेनशिप व सेलून आर्गेनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फैशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटरशिप के दौरान ही आपको कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके ?



फिल्म/ टीवी/ वीडियो/ रंगमंच/ फैशन/ विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकावौध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।



यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को क्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

कौन और कैसे बन सकते हैं आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशों के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा 2022 की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार, 1 अगस्त 2022 को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।



- एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए – 5 साल
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए – 3 साल।
- जम्मू और कश्मीर राज्य के उम्मीदवार के लिए – 5 वर्ष
- रक्षा सेवा कर्मियों के लिए – 5 वर्ष
- पूर्व सैनिक जिनमें कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 5 साल की सैन्य सेवा प्रदान की है और उन्हें रिहा कर दिया गया – 5 वर्ष
- जेनरल, मूक-बधिर और विकलांग व्यक्तियों के लिए – 10 वर्ष

उम्मीदवार कितनी बार दे सकते हैं ये एग्जाम

- सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार – 6 प्रयास
- एससी/एसटी के उम्मीदवार – कोई प्रतिबंध नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार – 9 प्रयास
- सामान्य व ओबीसी दिव्यांग – 9 प्रयास

मेडिकल स्टैंडर्ड

इस परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले आवेदकों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यूपीएससी सीएसई पर्सनललिटी टेस्ट के बाद चुने गए उम्मीदवार यूपीएससी द्वारा अधिसूचित चिकित्सा केंद्र में मेडिकल टेस्ट से गुजरते हैं। किसी भी सेवा में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों को सभी मेडिकल टेस्ट पास करना होता है।

आईएफएस के कार्य

एक आईएफएस का काम उसके उसकी प्रोफाइल पर निर्भर करता है। विदेश में रह रहे भारतीयों की मदद वहां का भारतीय दूतावास करता है, जोकि एक आईएफएस का कार्य होता है। यही ऑफिसर राजदूत और राजनयिक के रूप में भी कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना और अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद को भी बातचीत के जरिए हल करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे यूनाइटेड नेशन व अन्य प्लेटफार्म आर्इएफएस अधिकारी ही विदेशी मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही भारत की सुरक्षा व विदेशी नीति मामलों में भी इन्हीं आईएफएस की मदद ली जाती है और ये अपने अनुभव से देश की विदेश सुरक्षा पॉलिसी में अपने विचार व ज्ञान का उपयोग करते हैं।



ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी का उभरता हुआ करियर

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। वैसे तो आवाज या म्यूजिक का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन 20वीं शताब्दी तक आते-आते उसमें कई चीजें जुड़ गईं। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड लगा होता है, जिससे रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग प्रक्रिया में साउंड इनपुट जैसे स्विच, डायल, लाइट्स एवं मीटर को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्य ऑडियो इंजीनियर के जरिए संपन्न किया जाता है। कई बार इन्हें रिकॉर्डिंग इंजीनियर या साउंड इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकार्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटररेस्ट होना आवश्यक है।

कालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की अरुअ ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए प्पयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंक्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकॉर्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकार्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फिक्सेसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकार्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटररेस्ट होना आवश्यक है।

म्यूजिक, साउंड रिकॉर्डिंग, म्यूजिक बिजनेस, मल्टीट्रैक प्रोडक्शन आदि कई ऐसे एरिया हैं, जिन्हें ऑडियो इंजीनियरिंग के तहत शामिल किया जाता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीटयुड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इंक्रिपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिश्ता जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकार्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फ्रीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण हैं।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।



भारत के सबसे बड़े आईपीओ का ऐलान, जियो प्लेटफॉर्म्स ने तय किया प्राइस बैंड

1,065-1,119 रुपए प्रति शेयर पर जारी होगी इक्विटी, 21 अक्टूबर से लगेगा दांव

नई दिल्ली ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड की घोषणा कर दी गई है। कंपनी ने अपने शेयरों की कीमत 1,065 से 1,119 रुपए प्रति शेयर तय की है, जिससे यह आईपीओ भारत के कॉर्पोरेट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बनने जा रहा है। इस मेगा आईपीओ के जरिए जियो प्लेटफॉर्म्स 30,200 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। इस ऑफर के साथ कंपनी का कुल इक्विटी मूल्यांकन 9.8-10.3 लाख करोड़ रुपए (लगभग 101-107 बिलियन डॉलर) तक पहुंच जाएगा। यह आईपीओ पूरी तरह से एक फ्रेश इश्यू होगा, जिसका अर्थ है कि शेयरों की बिक्री से जुटाई गई पूरी रकम सीधे कंपनी के बैंक खाते में जाएगी। इस फंड का एक बड़ा हिस्सा कंपनी के मौजूदा कर्ज को चुकाने में इस्तेमाल किया जाएगा। शेष राशि का उपयोग 5जी नेटवर्क के विस्तार, अत्याधुनिक डेटा सेंटरस के निर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी के विकास जैसी भविष्य की परियोजनाओं में निवेश के लिए किया जाएगा। निवेशकों के लिए इस ऐतिहासिक आईपीओ में दांव लगाने का अवसर 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक रहेगा। वहीं शेयरों की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को होने की संभावना है। दिवाली से ठीक पहले लिस्टिंग की टाइमलाइन से बाजार में सकारात्मक त्योहारी सेंटिमेंट्स और बेहतर नकदी प्रवाह का फायदा मिलने की उम्मीद है। 30,200 करोड़ रुपए का यह आईपीओ, हुंडई मोटर इंडिया के 27,858.75 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर देश का सबसे बड़ा पब्लिक ऑफर बन गया है।

एसआईपी से पूरा करें अपनी ड्रीम एसयूवी का सपना! 5 साल में जमा करें 20 लाख

मुंबई ।

एसयूवी खरीदने का सपना देखते हैं, लेकिन एक साथ बड़ी रकम खर्च करना मुश्किल लगता है। म्युचुअल फंड की सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ऐसे में मददगार साबित हो सकती है। अगले पांच साल में अपनी पसंदीदा एसयूवी घर लाने के लिए आप अभी से मासिक निवेश शुरू करके 20 लाख रुपये तक जुटाने की योजना बना सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, पांच साल बाद 20 लाख रुपये की एसयूवी खरीदने के लिए 10 फीसदी सालाना रिटर्न मानकर, आपको हर महीने लगभग 26,000 रुपये की एसआईपी करनी होगी। इसमें 15.6 लाख रुपये का निवेश और 4.4 लाख रुपये का अनुमानित रिटर्न शामिल है। वहीं 15 लाख रुपये के लक्ष्य के लिए प्रतिमाह 19,500 रुपये निवेश की आवश्यकता होगी। हालांकि, वित्तीय योजनाकार चेताते हैं कि शेयर बाजार के लिए पांच साल लंबा समय नहीं है, और इक्विटी म्युचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती। ऐसे में केवल 10 फीसदी रिटर्न के भरोसे योजना बनाना जोखिम भरा हो सकता है। निवेश से पहले भविष्य में कार की कीमत, संभावित रिटर्न, लोन ब्याज और ईंधनआई के बोझ पर गंभीरता से विचार करें, ताकि आपके अन्य वित्तीय लक्ष्य प्रभावित न हों।

आईएमएफने भारत का ग्ोध अनुमान 6.4 से बढ़ाकर 7 फीसदी किया

- वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की मजबूत स्थिति

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक क्षमता पर अपना गहवा विश्वास व्यक्त करते हुए वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 7 फीसदी कर दिया है। पहले यह अनुमान वै वित्त वर्ष 27 के लिए 6.4 फीसदी और वित्त वर्ष 28 के लिए 6.7 फीसदी था। यह बढ़ती भारतीय केंद्रीय बैंक आरबीआई और विश्व बैंक द्वारा भी अपने वृद्धि अनुमानों को बढ़ाने के बाद आई है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को रेखांकित करती है। आईएमएफ के नवीनतम बड़ इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 27 और 28 दोनों के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7 फीसदी पर स्थिर किया गया है। यह सकारात्मक बदलाव देश की दमदार आर्थिक रफ्तार, मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन के कारण संभव हुआ है। आईएमएफ ने भारत की अनुकूल आबादी संरचना, एक बड़े और बढ़ते घरेलू बाजार तथा लगातार जारी संरचनात्मक सुधारों की भविष्य की सतत प्रगति के लिए महत्वपूर्ण कारक बताया है। यह अनुमान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। आईएमएफ को 2026 में दुनिया की अर्थव्यवस्था 3.1 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है, जो भारत के अनुमान से काफी कम है।

क्रोगर में एआई से बड़ा बदलाव 3,000 कॉर्पोरेट पद घटेंगे, कीमतें होंगी कम

- कटौती कंपनी के 8,200 कॉर्पोरेट कर्मचारियों में से लगभग 37 फीसदी को प्रभावित करेगी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी किराना कंपनी क्रोगर ने अपने परिचालन में कृत्रिम मेधा (एआई) के गहन उपयोग की घोषणा करते हुए आगामी तीन वर्षों में लगभग 3,000 कॉर्पोरेट पदों को समाप्त करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक व्े रिष्ठ अे धिकारी द्वारा कर्मचारियों को भेजे मेमो के अनुसार कंपनी का

लक्ष्य दोहराए जाने वाले कामों से बचना और तकनीक के साथ बेहतर तालमेल बिठाना है। यह कटौती कंपनी के 8,200 कॉर्पोरेट कर्मचारियों में से लगभग 37 फीसदी को प्रभावित करेगी। इस कदम से होने वाली बचत का इस्तेमाल उत्पादों की कीमतें कम करने और स्टोर में कार्यरत कर्मचारियों पर निवेश बढ़ाने के लिए किया जाएगा।

वैतन विवाद- स्पाइसजेट पायलटों की हड़ताल से परिचालन ठप

तयू400 पायलटों ने बकाया वैतन को लेकर उड़ानों से किया इनकार

नई दिल्ली ।

बकाया वैतन और लाभ न मिलने से नाराज स्पाइसजेट के क्यू400 विमानों के पायलटों ने उड़ान भरने से इनकार कर दिया है, जिससे एयरलाइन के संचालन पर गंभीर संकट आ गया है। इस कार्रवाई को एयरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलएएफ इंडिया) का भी समर्थन मिल गया है। सूत्रों के

अनुसार, लगभग 40 क्यू400 पायलटों ने तब तक उड़ान न भरने का फैसला किया है जब तक उन्हें उनका बकाया वैतन नहीं मिल जाता।

यह कदम स्पाइसजेट के लिए ऐसे समय आया है जब वह पिछले कई महीनों से वित्तीय और परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही है। कंपनी की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1109 , निफ्टी 358 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। इसका एक बड़ा कारण निवेशकों में उत्साह होना भी रहा। आज प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही महत्वपूर्ण बढ़त के साथ बंद हुए, जो बाजार की मजबूत वापसी का संकेत है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,109 अंकों से बढ़कर 73,033.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 358

अंबानी फिर बने भारत के नंबर वन अमीर, अदाणी को छोड़ा पीछे

मुकेश अंबानी 78.8 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर, गौतम अदाणी 74.9 अरब डॉलर पर खिसके

मुंबई ।

भारत के सबसे अमीर कारोबारी बनने की दौड़ में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। रिलायंस इंडस्ट्रीस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गौतम अदाणी को पीछे छोड़कर देश के सबसे धनी व्यक्ति का खिताब फिर से अपने नाम कर लिया है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अंबानी की नेटवर्थ अदाणी से आगे निकल गई है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी की संपत्ति बढ़कर 78.8 अरब डॉलर पहुंच गई है। वहीं, गौतम अदाणी की नेटवर्थ 74.9 अरब डॉलर दर्ज की गई है। इन आंकड़ों के साथ अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में 25वें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि अदाणी 28वें स्थान पर हैं। दोनों की कुल संपत्ति के बीच अब 3.9 अरब डॉलर का महत्वपूर्ण अंतर आ गया है, जो भारतीय रुपए में हजारों करोड़ रुपए का फासला है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इन कारोबारियों की रैंकिंग स्थायी नहीं होती; शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के साथ ही उनकी संपत्ति और सूची में स्थान भी बदल सकता है। देश के शीर्ष 5 सबसे अमीर कारोबारियों की सूची में मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी के बाद सावित्री जंदल 36.6 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लक्ष्मी मित्तल 30.6 अरब डॉलर के साथ चौथे और शिव नादर 27.4 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत में अंबानी वेशक शीर्ष पर हैं, लेकिन एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का ताज चीन के झांग यिमिंग के पास है। टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडंस के संस्थापक झांग यिमिंग की संपत्ति 84 अरब डॉलर है, जिससे वह एशिया में पहले स्थान पर हैं।

मेगा सोलर प्रोजेक्ट को आईआरडीए से मिली फंडिंग

विक्रान इंजीनियरिंग के शेयर 15 फीसदी उछले

मुंबई । इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन एजेंसी (ईपीसी) फर्म विक्रान इंजीनियरिंग के शेयरहोल्डर्स के लिए 13 अक्टूबर का दिन शानदार रहा। कंपनी के शेयरों में बीएसई पर जबरदस्त 15 प्रतिशत की उछाल देखी गई, जिसके बाद यह 64.03 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी कंपनी की सॉल्विडियरी एनओपीएल सोलर प्रोजेक्ट्स और

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (आईआरडीए) के बीच 2,941.19 करोड़ रुपए के टर्म लोन सुविधा समझौते की खबर के बाद आई है। यह समझौता महाराष्ट्र में 152 स्थानों पर मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना 2.0 के तहत 969 मेगावॉट एसी प्रे ति 1,163 मेगावॉट पीक के सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्रोजेक्ट के

है। कंपनी का मानना ​​है कि तकनीक के प्रयोग से परिचालन दक्षता बढ़ेगी, लागत घटेगी और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की सावधानी के बीच, क्रोगर वॉलमार्ट व एल्टी जैसी कंपनियों से मुकाबला करने, लागत घटाने और बाजार स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

एएलपीए इंडिया ने 9 अक्टूबर को एक पत्र जारी कर पायलटों के इस फैसले को सही ठहराया है। संगठन का कहना है कि कर्मचारियों को समय पर वेतन और अन्य आवश्यक लाभ नहीं मिल रहे हैं, जिससे उनकी गरिमा और उड़ान सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

इसी वजह से पायलटों ने अपने अधिकारों के लिए यह कदम उठाया है।



टेक 8.42 फीसदी और केपिट टेक 6.81 फीसदी की शानदार तेजी के साथ दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस ने भी 6.79 फीसदी का मुनाफा दिया, जबकि श्रीराम फाइनेंस के शेयर 6.31 फीसदी की उछाल के साथ बंद हुए। इन शेयरों ने बाजार की समग्र तेजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हालांकि, इस तेजी के माहौल में

भी कुछ शेयरों को नुकसान उठाना पड़ा। टॉप लूजर्स में आरबीएल बैंक के शेयर 7.10 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे निचले पायदान पर रहे। आईसीआईसी यू.डेंटिया को 3.54 फीसदी, हिटाची एनर्जी को 3.32 फीसदी और वेदांता को 3.25 फीसदी का नुकसान झेलना पड़ा। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई जो दिन भर बनी रही।

सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5.54 फीसदी पहुंची, खाने-पीने की चीजों के भी बड़े दाम

अगस्त की तुलना में सितंबर में खुदरा और खाद्य महंगाई दोनों में तेजी से इजाफा

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ती महंगाई का सिलसिला सितंबर में भी जारी रहा है, जिसने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त में यह 4.83 फीसदी थी। विशेष रूप से, खाने-पीने की चीजों के दाम में भारी उछाल देखा गया है, जिसकी दर 5.97 फीसदी से बढ़कर 7.74 फीसदी पर पहुंच गई। यह तेजी दिखाता है कि आम लोगों के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ गया है। सोमवार, 12 अक्टूबर को सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दाम में बेतहाशा वृद्धि है। सितंबर की

खाद्य महंगाई के आंकड़े बताते हैं कि रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पिछले साल के मुकाबले सितंबर में प्याज की महंगाई दर 108.09 फीसदी तक पहुंच गई, जबकि लहसुन में 54.62 फीसदी और अदरक में 62.85 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। नींबू की कीमतों में भी 36.41ब का इजाफा हुआ है। हालांकि, कुछ सब्जियां जैसे आलू की कीमतों में 11.50 फीसदी और टमाटर की कीमतों में 8.62 फीसदी की गिरावट ने थोड़ी राहत दी।

सब्जियों के अलावा, दाल, चावल और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने भी समग्र महंगाई दर को बढ़ाने में योगदान दिया है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि आने वाले समय में महंगाई और बढ़ सकती है। इसका

कच्चे तेल में गिरावट के बाद भी ब्रेंट 105 डॉलर

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को गिरावट नजर आ रही है, इसके बावजूद बेंचमार्क क्रूड यानी ब्रेंट 105 डॉलर के ऊपर ट्रेड कर रहा है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति स्थापित न होना और सकूदी अरब पर हथियों के हमले को क्रूड की कीमतों में तेजी की वजह माना जा रहा है। सोमवार को ब्रेंट 106 डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था। भू-राजनैतिक तनावों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में फिलहाल नरमी के संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों और वेस्ट एशिया में लगी आग में घी डालने का काम रूस और यूक्रेन युद्ध ने किया है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि दोनों ने देशों ने एक दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमले न करने के समझौते को मान लिया है। हालांकि, इस मामले पर दोनों ही देशों ने अलग बातें कही हैं। दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाला ब्रेंट इस वक्त 1.11 फीसदी की गिरावट के साथ 105.47 बैरल प्रति डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं अमेरिका का वेस्ट टेक्सास इंटरमीडियट 1.14 फीसदी बढ़कर 92.60 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। सोमवार को बेंट 1.8 फीसदी बढ़कर 106.65 डॉलर पर और डब्ल्यूटीआई 2 फीसदी चढ़कर 93.74 डॉलर पर बंद हुआ था। बात अगर भारतीय क्रूड बास्केट की करें, जिसमें अलग-अलग देशों का कच्चा तेल शामिल है तो वह 3.47 फीसदी की तेजी के साथ 121 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर निकल गया है।

सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5.54 फीसदी पहुंची, खाने-पीने की चीजों के भी बड़े दाम

अगस्त की तुलना में सितंबर में खुदरा और खाद्य महंगाई दोनों में तेजी से इजाफा



एक प्रमुख कारण वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव है, विशेष रूप से मिडिल ईस्ट और अन्य देशों के बीच बढ़ते तनाव से ईंधन की लागत बढ़ रही है। ईंधन महंगा होने से माल ढुआई भी महंगी हो जाती है, जिसका सीधा असर हर उपभोक्ता वस्तु की कीमत पर पड़ता है और जनता को लगातार महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। बढ़ती महंगाई का सीधा मतलब है

कि रोजमर्रा की जरूरतों पर लोगों को पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। खासकर प्याज, लहसुन और अन्य महंगी हूँ खाद्य वस्तुओं के कारण रसोई का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने में अधिक संघर्ष करना पड़ रहा है।

रुपया 82 पैसे चढ़कर 94.96 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया सोमवार को 95.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 82 पैसे मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल विपणन कंपनियों के लिए नामित बैंकों के जरिये डॉलर उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था और विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव के कुछ लेनदेन की लागत बढ़ाने जैसे कदमों से हाज़िर बाजार में डॉलर की मांग घटने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.53 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें मजबूती आई और यह 94.96 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 82 पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को 93 पैसे मजबूत होकर 95.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

छह महीने से अधिक समय में यह रुपये की एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त थी। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डालर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.43 पर रहा।

विदेशी निवेशकों ने 2026 में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 3 लाख - भारतीय कंपनियों का उत्त्व मूल्यांकन भी बढ़ा रहा है निवेशकों की चिंता



नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ऐतिहासिक निकासी का दौर जारी है, जिसके चलते बाजार पर दबाव बढ़ गया है। कैलेंडर वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 3.08 लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी निकाली है, जो पिछले वर्ष (2025) की कुल निकासी 1.66 लाख करोड़ रुपए से लगभग दोगुनी है। यह लगातार बिकवाली भारतीय बाजार की मौजूदा चुनौतियों को उजागर करती है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, 12 अक्टूबर तक एफपीआई ने द्वितीयक बाजार से 3.64 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। हालांकि, नई उंची कीमतें प्रमुख कारक हैं।



संक्षिप्त

समाचार

डरबन टेस्ट

स्टीव स्मिथ को हेलमेट पर लगी चोट की जांच होगी

डरबन । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का कनकशन अवलोकन किया जा रहा है। स्मिथ को दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की गेंद से हेलमेट पर चोट लगी थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में खेले जा रहे टेस्ट में स्मिथ को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के दौरान एनरिक नोर्त्जे का बाउंसर लगा था।

स्मिथ की उम्मीद के मुताबिक नोर्त्जे की गेंद नहीं उठी थी, गेंद देखकर वह झुके थे, लेकिन गेंद सीधे उनके हेलमेट से जा टकराई थी। उस समय उन्होंने अपनी इनिंग सिर्फ चार गेंद खेली थीं। उस समय

उनके कनकशन की जांच की गई और उन्हें अपनी इनिंग जारी रखने की इजाजत दे दी गई। हालांकि, जब ऑस्ट्रेलिया ने फील्डिंग शुरू की तो स्मिथ वापस नहीं आए। उम्मीद है कि अगले 24 घंटों में उनके कनकशन की जांच होगी। चौथे दिन स्टैप्स के समय ब्यू वेबस्टर स्मिथ की फिटनेस के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने उम्मीद जताई कि स्मिथ मंगलवार को मैदान पर उतर सकते हैं।

हरजिंदर कौर: कबड्डी छोड़ चुनी वेटलिफ्टिंग

नई दिल्ली। भारतीय महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर का नाम काफी लोकप्रिय है। हरजिंदर ने लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीते हैं। हरजिंदर कौर का जन्म 14 अक्टूबर 1996 को पंजाब के पटियाला

जिले में नाभा के पास मेहास में हुआ था। हरजिंदर का परिवार खेती से जुड़ा रहा है। शुरुआत में हरजिंदर कबड्डी खेला करती थीं और प्रशिक्षण के लिए प्रतिदिन 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर सेंटर जाया करती थीं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उन्हें प्रशिक्षण छोड़ना पड़ा। वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर काफी देर से आईं। 2016 में पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की। राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद हरजिंदर कौर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

टी20 में फील्डिंग सुधारने के लिए टीम इंडिया के कल्चर में बदलाव जरूरी: आर श्रीधर

नई दिल्ली। भारत की सीनियर पुरुष टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर मानते हैं कि टी20 फॉर्मेट में फील्डिंग के स्तर में आ रही गिरावट को ठीक करने के लिए राष्ट्रीय टीम को अपने कल्चर में पूरी तरह बदलाव की जरूरत है। श्रीधर ने यह भी कहा कि 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे से पहले टीम में शामिल



नए खिलाड़ी फील्डिंग के मामले में पूरी तरह तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 में टी20 मुकाबलों में भारत की फील्डिंग का स्तर गिरा है। कैच पकड़ने की क्षमता के मामले में भारत टॉप 10 देशों में दूसरे-आखिरी स्थान पर है (73.4 प्रतिशत)। टीम में चौकाने वाले 58 कैच छोड़े हैं। भारतीय फील्डर्स ने भले ही 129 रन बचाए हों, लेकिन कैच छोड़ने पर ग्राउंड-फील्डिंग की गलतियों के कारण 226 रन अतिरिक्त बने, जिससे कुल मिलाकर 97 रनों का नुकसान हुआ।

शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग में

जीता आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार

दुबई । भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सितंबर महीने के लिए पुरुष और महिला श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। यह तीसरी बार है जब भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ किसी महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। गिल ने पांचवीं बार यह सम्मान हासिल किया है। उन्होंने पुरुष कैटेगरी में सबसे ज्यादा बार यह खिताब जीतने के अपने रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है। शेफाली वर्मा ने विमैस एशिया कप और एशियन गेम्स में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद दूसरी बार महीने के श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है।

गिल को मिले इस नए अवॉर्ड ने उन्हें वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ खड़ा कर दिया है। मैथ्यूज ने भी पांच बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 110 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में 133 रनों पर शानदार 223 रनों की पारी खेली थी। पुरस्कार जीतने के बाद गिल ने कहा, 'अपना पांचवां आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस सम्मान के लिए पैलन का शुक्रगुजार हूँ। इतने रन बनाना बहुत अच्छा लगा और अपने



घरेलू फैंस के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका सपोर्ट हमें हमेशा अतिरिक्त बूस्ट देता है।' उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट की गति काफी बढ़ गई है। आपको तुरंत सोचना होता है, कंडीशन का जल्दी से अंदाजा लगाना होता है और पिच और टारगेट की जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालना होता है। अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप के साथ, हम अपने स्तर को बेहतर करते रहने और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम एक मजबूत और संतुलित टीम बनाने के लिए दृढ़ हैं।' शेफाली वर्मा ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड फिर से जीतना एक अविश्वसनीय सम्मान है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना रोल निभाना बहुत अच्छा लगा, और यह अवॉर्ड जीतने से ये जीत और भी खास हो गई हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं आने वाले महीनों को लेकर उत्साहित हूँ। अगले साल फरवरी में होने वाली आईसीसी विमैस चैंपियंस ट्रॉफी में अपना बेस्ट परफॉर्मेंस जारी रखने का पक्का इरादा है। यह एक और ट्रान्जिट है, जिसका मुझे इंतजार है। वर्ल्ड कप जीतने की याद अभी भी बहुत ताजा और खास है। मैं अपनी धरती पर आईसीसी ट्रान्जिट के लिए मैदान पर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।' सितंबर की शॉर्टलिस्ट में पुरुषों की कैटेगरी में गिल

के अलावा भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को नामित किया गया था, जबकि महिलाओं में शेफाली के अलावा श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्ट और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर श्री चरणी को नामित किया गया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से

पंत बाहर, कुशाग्र को मौका मिला

नई दिल्ली। क्रिकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत लेफ्ट-साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के आगामी दौरे पर इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा क्रिकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी सोमवार को दी। पंत का इस दौरे पर खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर था। 1-4 अक्टूबर के बीच ईरानी कप में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए उन्हें वायरल बुखार हो गया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि 29 वर्षीय पंत मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और लिंकन में 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने पहले दो मुकाबलों के लिए पंत की जगह कुमार कुशाग्र को चुना है।'

झारखंड के 21 वर्षीय क्रिकेटकीपर-बल्लेबाज कुशाग्र, ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया-ए की टीम में शामिल हुए हैं। इस टीम में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, आकिब नबी, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मानव सुथार और वाशिंगटन सुंदर जैसे सितारे भी मौजूद हैं। कुशाग्र पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के रेड-बॉल मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करके आ रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में 113 और 46 रन बनाकर इंडिया-ए को जीत दिलाई थी।

इंडिया-ए की अपडेटेड टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पंडित, रविचंद्रन स्मरण, वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठौड़, मुकेश कुमार और कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर) (पहले और दूसरे मैच के लिए)।

पाक टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम का ऐलान

कुसल मेंडिस करेंगे कप्तानी

कोलंबो। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। 115 सदस्यीय टीम की कप्तान कुसल मेंडिस सभालेंगे। यह पहला मौका है जब कुसल श्रीलंका टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे। मेंडिस को वनडे और टी20 टीम की कप्तान सौंपे जाने के बाद अब टेस्ट टीम की कप्तान सौंपी गई है। ऐसे में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ ही बतौर कप्तान भी उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। मेंडिस को कप्तानी पिछले सप्ताह धनंजय डी सिल्वे के टेस्ट कप्तान का पद छोड़ने के बाद सौंपी गई है। डी सिल्वे जनवरी 2024 से इस फॉर्मेट में श्रीलंका की कप्तानी कर रहे थे। उन्होंने अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने की जरूरत बताई थी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) सिलेक्शन कमिटी ने गुरुवार को बोर्ड के मुख्यालय में हुई मीटिंग में मेंडिस की बतौर टेस्ट कप्तान नियुक्ति की। विकेटकीपर-बल्लेबाज को सबसे लंबे फॉर्मेट में काफी अनुभव है। वह 75 टेस्ट मैचों में 4,836 रन बना चुके हैं, जिसमें 10 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। मेंडिस को मई में श्रीलंका का वनडे और टी20 कप्तान बनाया गया था। उन्होंने वनडे कप्तान के रूप में चरित्र असलंका और टी20 में दासुन शनाका की जगह ली थी। टेस्ट कप्तान के तौर पर उनकी नियुक्ति अब उन्हें तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में कप्तान बनाती है।

एमएस धोनी में क्रिकेट बाकी

आईपीएल 2027 में खेलने का फैसला उनका होगा: सीएसके सीईओ विश्वनाथन

चेन्नई। आईपीएल की सफलतम फ्रेंचाइजी में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन का मानना है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी में अभी क्रिकेट बाकी है। वह टीम के लिए एक

अभी भी एक खिलाड़ी हैं, आप जानते हैं।' धोनी ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला था। वह 45 साल के हो चुके हैं। ऐसे में धोनी के आगामी सीजन में खेलने पर सवाल उठते रहते हैं।



आखिरी सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। धोनी इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। चेन्नई में मीडिया से बात करते हुए विश्वनाथन ने कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं, यह फैसला फ्रेंचाइजी ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के चांस हैं। वह

एमएस धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के लिए खेलेंगे या नहीं, इस पर टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि वह धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखना चाहते हैं। चेन्नई में सीएसके के पारंपरिक लैप ऑफ ऑनर में धोनी के हिस्सा लेने के बाद, रैना ने कहा कि उन्होंने आईपीएल 2027 के लिए उनसे वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 को मिस कर दिया। यह नहीं गिना जाएगा।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 की सीईओ सिंडी हुक अपना पद छोड़ेंगी

नई दिल्ली। ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ सिंडी हुक ने घोषणा की है कि वह अपने चार साल के कॉन्ट्रैक्ट के खत्म होने पर अपने पद से हट जाएंगी। हुक को फरवरी 2023 में नियुक्त किया गया था। उनका चार साल का कॉन्ट्रैक्ट अगले साल की शुरुआत में खत्म होने वाला है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, आने वाले महीनों में एक नई नियुक्ति की घोषणा होने की उम्मीद है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी बोर्ड ने हुक के कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के बाद पद छोड़ने के फैसले को मान लिया है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, 'लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक से ठीक एक साल पहले एक आसान बदलाव सुनिश्चित करने के लिए और ब्रिस्बेन 2032 के अपने शुरुआती प्लानिंग और कैपेबिलिटी बिल्डिंग फेज से ऑपरेशन्स, प्रोजेक्ट और इवेंट डिलीवरी के अगले महत्वपूर्ण फेज में जाने के लिए एक नए लीडर को बैटन



सौंपने का यह सही समय है।' हुक ने एक बयान में कहा, 'पिछले चार सालों में, मैंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी हमने उम्मीद की थी और इस दौरान मुझे कई अद्भुत अनुभव हुए।'

ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ के तौर पर, सिंडी गेम्स के ऑर्गनाइजेशन के सभी पहलुओं को लीड करने के लिए जिम्मेदार थीं, ताकि एथलीट और दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव बनाया जा सके और ब्रिस्बेन, साउथईस्ट क्वींसलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लिए एक पॉजिटिव विरासत छोड़ी जा सके।

उनकी जिम्मेदारियों में गेम्स की प्लानिंग, स्पॉन्सरशिप, टिकटिंग और मर्चेंडाइज के जरिए राजस्व जुटाना, वेन्यू के ऑपरेशन को मैनेज करना, इवेंट सुरक्षा, वॉलंटियर रिक्रूटमेंट आदि शामिल हैं।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: आईसीसी ने पॉवेल और रदरफोर्ड को फटकारा

खाते में डिमेरिट अंक भी जुड़ा

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मैच के दौरान 'आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट' तोड़ने पर वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों रोबमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड को आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई। इसके साथ ही दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। आईसीसी के अनुसार, पॉवेल को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फ्रिक्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। पॉवेल को आउट होने के बाद अपने बल्ले से गेंद को दूर मारने के लिए सजा दी गई। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के छठे ओवर में हुई, जब भारत के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पॉवेल को बोलड कर दिया।

वहीं, रदरफोर्ड ने आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अपायक के फैसले पर असहमति



जताने से संबंधित है। रदरफोर्ड को मैच के दौरान अपायक के फैसले पर असहमति जताने के लिए फटकार लगाई गई। पारी के 13वें ओवर के दौरान एक गेंद को रदरफोर्ड वाइड मान रहे थे, लेकिन उसे वैलिड करार दिए जाने के बाद कैरेबियन खिलाड़ी अपायक पर आक्रामक रूप से चिल्लाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार करते हुए एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरीज के प्रकाश भट्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी ने यह भी पुष्टि की कि दोनों खिलाड़ियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक-एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह दोनों का पहला अपराध था। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम करने के बाद भारत ने टी20 सीरीज का पहला मैच 8 विकेट से जीता, जिसके बाद रांची में खेले गए दूसरे मुकाबले को वेस्टइंडीज ने 6 विकेट से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी की।



टाईम पास

आज का राशिफल



चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवकृद् कार्य संभल हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9



का की कू घ ड
छ के को हा

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होखें रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9



मा नी मू ने मो
टा टी डू टे

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9



रा टी छ रे रो
ता ती लू ते

मेहनतों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चात्ताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की वा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8



ये यो मा नी लू
धा का छा ने

'आगे-आगे गौरव जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहनतों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मोटे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8



लू ने मो ला
सी लू से सो वा

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तब है मगर नकारात्मक रुख न अपनाए। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9



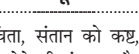
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो



का की कू घ ड
छ के को हा



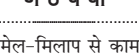
का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



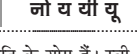
का की कू घ ड
छ के को हा



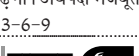
का की कू घ ड
छ के को हा



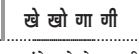
का की कू घ ड
छ के को हा



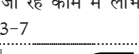
का की कू घ ड
छ के को हा



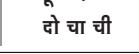
का की कू घ ड
छ के को हा



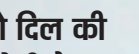
का की कू घ ड
छ के को हा



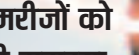
का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



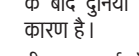
का की कू घ ड
छ के को हा



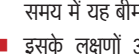
का की कू घ ड
छ के को हा



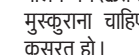
का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा



का की कू घ ड
छ के को हा

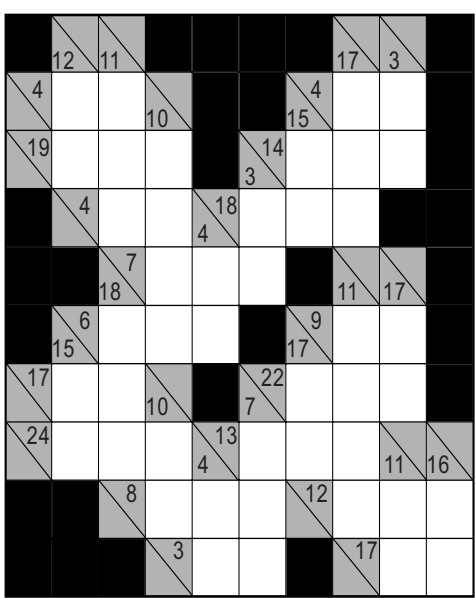


का की कू घ ड
छ के को हा



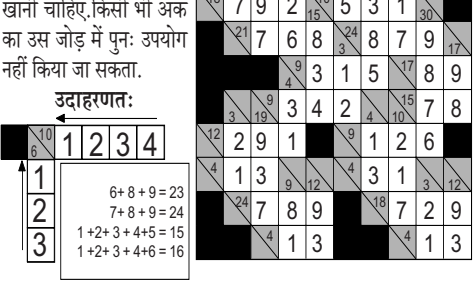
का की कू घ ड
छ के को हा

काकुरो पहेली - 4038

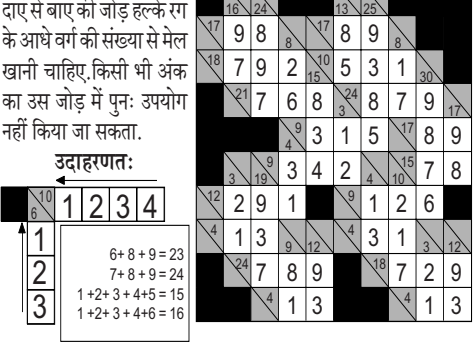


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

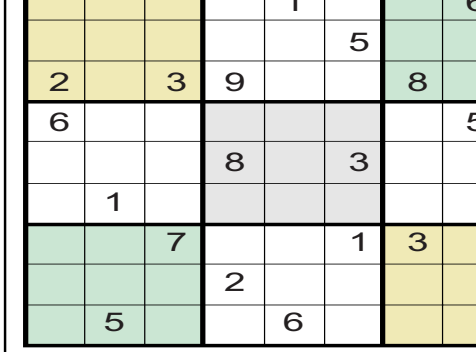
उदाहरणतः



काकुरो - 4037 का हल

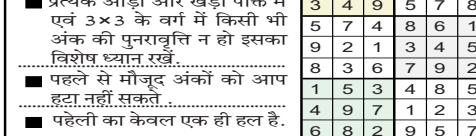


सुडोकु -4038



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सुडोकु -4037 का हल



लॉफिंग जॉन

प्रेमी (प्रेमिका से) - मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका - ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

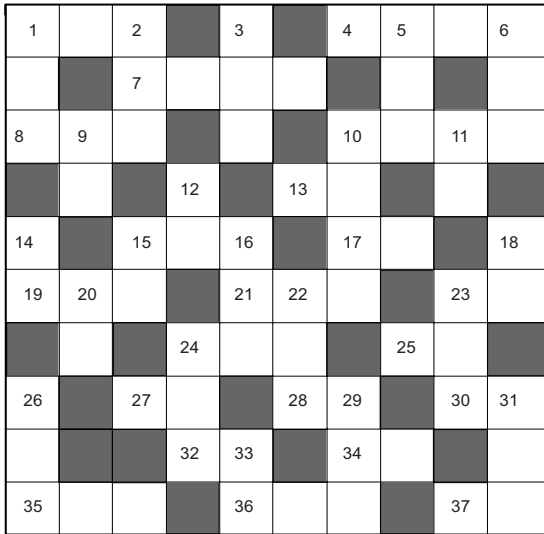
प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

प्रेमी - वह कैसे?

प्रेमिका - मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हें पसंद किया...! समझे।

फिल्म वर्ग पहेली - 4038



बायें से दायें:-

- अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
- गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉट द मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
- आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
- फिल्म 'कभी कभी' में ब्रह्मपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
- १९७९ में आई अमिताभ, योगिता वाली का एक फिल्म-४
- 'कभी शाम छले' गीतवाली फिल्म-२
- 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बांकी देओल, करिष्मा की फिल्म-३
- 'शदी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
- अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
- 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
- रजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
- अनिलकुमार, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
- राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
- संजयदत्त, अभिषेक, जावेद, एशा, राहमा, शिल्पा की फिल्म-२
- 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
- फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बांकी देओल के किस्तार का नाम-२
- 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
- 'चुपओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
- दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे ह्रुष की क्या' गीत वाली फिल्म-३
- फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

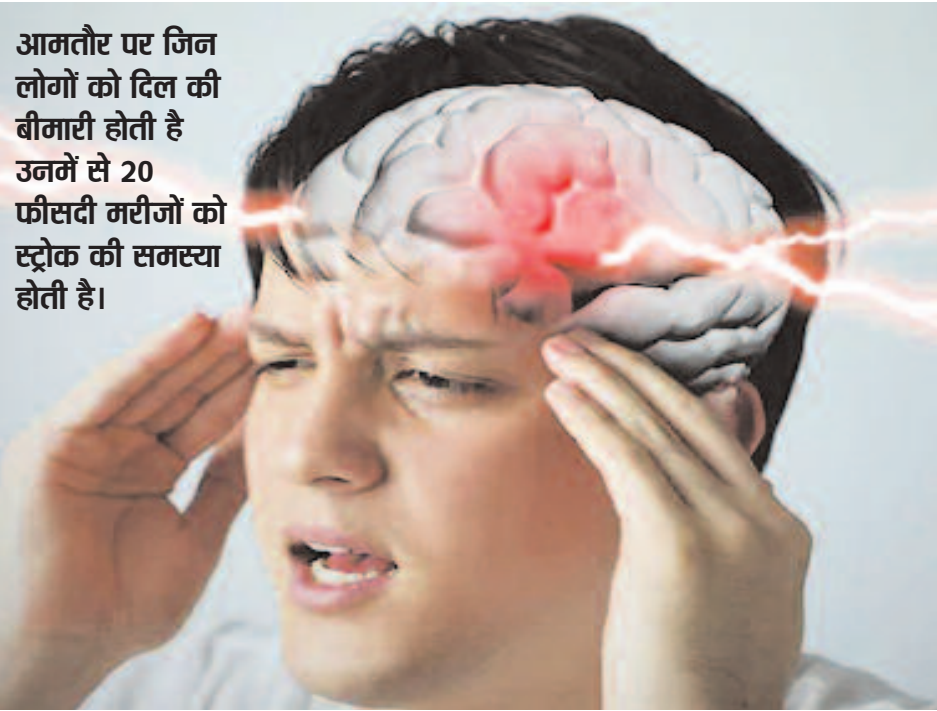
ऊपर से नीचे:-

- 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
- फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
- अनिलकुमार, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
- 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
- फिल्म 'बाहूद' में अक्षय की नायिका-३
- बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
- 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
- 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किस्तार का क्या नाम था-२
- फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
- राजकुमार, नर्गिस की 'ये शाम की तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२
- 'शोशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
- सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
- 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
- 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
- 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
- फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
- राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
- 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
- राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
- 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
- फिल्म, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4037



दुनियाभर में फैली तमाम जानलेवा बीमारियों के बीच एक और खतरनाक बीमारी धीरे धीरे लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही है। इस बीमारी का नाम है ब्रेन स्ट्रोक। आज हालत यह है कि दुनिया का हर छठा व्यक्ति कभी न कभी ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हुआ है और 60 से ऊपर की उम्र के लोगों में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण ब्रेन स्ट्रोक है। यह 15 से 59 वर्ष के आयुवर्ग में मौत का पांचवां सबसे बड़ा कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार स्ट्रोक आने के बाद 70 फीसदी मरीज अपनी सुनने और देखने की क्षमता खो देते हैं। साथ ही 30 फीसदी मरीजों को दूसरे लोगों के सहारे की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर जिन लोगों को दिल की बीमारी होती है उनमें से 20 फीसदी मरीजों को स्ट्रोक की समस्या होती है।



15 से 59 साल के लोगों के लिए मौत की बड़ी वजह बन रहा ब्रेन स्ट्रोक

है, झुरझुरी आती है और उसके चेहरे की मांस पेशियां कमजोर हो जाती हैं जिससे लार बहने लगती है।

- देश में हर साल ब्रेन स्ट्रोक के लगभग 15 लाख नए मामले दर्ज किए जाते हैं और यह असांख्यिक मृत्यु और विकलांगता की एक बड़ी वजह बनता जा रहा है।
- यहां यह भी अपने आप में परेशान करने वाला तथ्य है कि हर 100 में से लगभग 25 ब्रेन स्ट्रोक रोगियों की आयु 40 वर्ष से नीचे है। नह हार्ट अटैक के बाद दुनिया भर में मौत का दूसरा सबसे आम कारण है।
- पीएसआरआई हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ अमित श्रीवास्तव बताते हैं कि समय रहते स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानकर तत्काल उपचार करने पर कुछ ही समय में यह बीमारी ठीक हो जाती है।
- इसके लक्षणों और तत्काल एहतियाती उपायों की जानकारी देते हुए डॉ. गोयल ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का चेहरा एक तरफ से टेढ़ा होने लगे और उसे बोलने में दिक्कत हो तो उस व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा मुस्कुराना चाहिए ताकि चेहरे की मांसपेशियों की कसरत हो।
- इसी तरह अगर एक हाथ कमजोर या सून्न लगे तो उपचार मिलने से पहले उसे ऊपर नीचे करने की कोशिश करें। उन्होंने बताया कि यदि बोलने में दिक्कत

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR

NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +
50% Extra

(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)

Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001

Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail: rashtriyaashikhar@gmail.com, Website: www.rashtriyaashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/





मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूँ

अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है; जहां ड्रामा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक डायन का राज है! अमेजन स्टूडियोज और कलर येलो की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉंग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फैंटेसी, मिस्रि और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन

एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज लेकर आ रहे हैं। एक इवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूँ, जब मैंने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मजा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीजें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे रिकल्स, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक

पैरेलल पर्सनेलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्क्रीन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है। आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूडेंट हूँ जो हमेशा सोचती रहती हूँ कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ब समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हंसेगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हंसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूँ, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अह्मिनाथ एम. कोटारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।



आईटी सर्च में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छांपों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पेनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, 'यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूँ।' उन्होंने आगे लिखा, 'अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात पर कोई वाकिफ है कि मैं एक कोजी परिवार से ताल्लुक रखती हूँ और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूँ और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूँ।' अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूँ, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूँ कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूँ।' अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील की कि वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छापी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूँ, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूँ। मैं समझती हूँ कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।'



शाहरुख की फिल्म में करीना की भी हुई एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। मगर इस फिल्म का गाना 'डेडी कूल' और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देंगी।

'डेडी कूल' में क्या है खास

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म 'किंग' के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना ने 'डेडी कूल' नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।



पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना

फिल्म 'किंग' का गाना डेडी कूल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हों। इससे पहले करीना और शाहरुख 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम' और 'रावन' जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। कविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक 'डेडी कूल' को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शाहरुख के साथ अपने हिस्से की शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं। क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा क्रॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे।

हनुमान अंश की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी

'हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में दो महीने होने वाले हैं। यह फिल्म भारत में 300 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। अब इसकी सफलता पर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय दी है। बॉलीवुड की बेबाक और संजीदा अभिनेत्री ऋचा चड्ढा का मानना है साल 2026 को कटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। ये निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों की पसंद में कोई बड़ा बदलाव आया है।

'हनुमान अंश' की सफलता पर ऋचा का बेबाक विश्लेषण

2026 को 'कटेंट-ड्रिवन सिनेमा' का लैंडमार्क साल कहे जाने पर असहमति जताते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, अगर बात सिर्फ 'हनुमान अंश' के संदर्भ में है, तो वह एक अलग मामला है। इसके अलावा इस साल और क्या चला है? हमारी तुलना हॉलीवुड से नहीं की जा सकती। पौराणिक और धार्मिक फिल्में भारतीय दर्शकों के बीच हमेशा से सुरक्षित और लोकप्रिय रही हैं। ये फिल्में तो लोग देखते ही हैं। इसलिए यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगा कि इंडस्ट्री में अचानक कुछ बहुत बेहतरीन होने लगा है। ऋचा का मानना है कि

धार्मिक या पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का एक स्थापित दर्शक वर्ग है, जो बिना किसी झिझक के थिएटर तक आता है। इसे पूरे सिनेमा उद्योग में आए वैचारिक या रचनात्मक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

राइटर्स को मिले बेहतर पैसे, तभी बदलेगा सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग को वास्तव में कटेंट-संचालित बनाने के उपाय पर बात करते हुए ऋचा ने सबसे अहम मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जब तक पटकथा लेखकों को सही सम्मान और बेहतर पारिश्रमिक नहीं मिलेगा, तब तक बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है। 'हनुमान अंश' का 2 करोड़ के बजट से 423 करोड़ तक का ऐतिहासिक सफर विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' आध्यात्मिक गुरु नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। बेहद शांत शुरुआत करने वाली इस फिल्म को 'वर्ड ऑफ माउथ' का ऐसा जबरदस्त सहारा मिला कि यह 2026 की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट बन गई।



रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएं तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कुल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का देलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सैलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स तेलुगु' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपदा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावाड़ी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेंद्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्रवाधा वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मौनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी 'सुजा', प्रणव उर्फ अभिनवकावि, एसएस वर्धन, राहत अवंता, गुरव सुनील, साई रोनक, पुष्पा धनंजय और फल्युनी बागेड़ा नजर आएंगे। शो का हिस्सा बनने और इसे होस्ट करने को लेकर तेजा सज्जा ने कहा, 'मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव है। मैं इस तरह के फॉर्मेट का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हूँ, क्योंकि यह मेरे अब तक के

काम से बिल्कुल अलग है। मुझे ऐसे फॉर्मेट वाले तेलुगु एडिशन का हिस्सा बनने का मौका पहली बार मिला है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हो चुका है।' तेजा ने कहा, 'तेलुगु एंटरटेनमेंट के लिए यह एक बड़ा मौका है। शो सिर्फ एक लोकप्रिय इंटरनेशनल फॉर्मेट को तेलुगु दर्शकों के सामने नहीं ला रहा, बल्कि इसे स्थानीय दर्शकों के हिसाब से अपनी अलग पहचान और अंदाज भी दिया गया है। बतौर होस्ट भी मेरे लिए यह खेल उतना ही अनप्रेडिक्टेबल है, जितना इसमें हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए।' तेजा ने आगे कहा, 'शो में कंटेस्टेंट्स के बीच झूठ, माइंड गेम्स, अचानक बनने वाले गटजोड़ और लगातार एक-दूसरे पर शक करने का सिलसिला देखने को मिलेगा। हर कदम पर गेम बदल सकता है और किसी भी कंटेस्टेंट को यह भरोसा नहीं रहेगा कि सामने वाला वास्तव में उसके साथ है या उसके खिलाफ। अब मुझे इस बात का इंतजार है कि दर्शक इसमें शामिल कंटेस्टेंट्स से जुड़ें और गेम के आगे बढ़ने के साथ खुद भी अंदाजा लगाते रहें कि आखिर कौन किसके साथ है।' 'द ट्रेटर्स तेलुगु' जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।



उत्तर और दक्षिण कोरिया में बढ़ा तनाव: किम जोंग उन ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइले

सिओल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को अपने पूर्वी समुद्री इलाके की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह जानकारी दक्षिण कोरिया की सेना ने दिया। यह हाल के दिनों में हथियारों के प्रदर्शन का एक और मामला है, जिससे कूटनीतिक बातचीत लंबे समय से रुकी होने के बीच तनाव और बढ़ गया है।

जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने क्या बताया? – दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के आस-पास के इलाके से दागी गईं। हाल के वर्षों में देश ने अपने हवाई अड्डे का इस्तेमाल एक मुख्य लॉन्च साइट के तौर पर किया है। जॉइंट चीफ्स ने तुरंत यह नहीं बताया कि कितनी

मिसाइलें देखी गईं या वे कितनी दूर तक गईं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने कम से कम दो मिसाइलें देखीं और अनुमान लगाया कि ये हथियार देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जॉन के बाहर समुद्र में गिरे।

दक्षिण कोरिया ने किया हथियार के उड़ान परीक्षण- यह लॉन्च दक्षिण कोरिया ने शुक्रवार को अपने पहले घरेलू स्तर पर विकसित हाइपरसोनिक हथियार के उड़ान परीक्षण के कुछ दिनों बाद किया। इस हथियार को ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज उड़ने और मिसाइल डिफेंस सिस्टम से बचने के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने इसे दक्षिण कोरिया की पारंपरिक रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।



उत्तर कोरिया क्यों कर रहा इतने परीक्षण?– सियोल के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए, उत्तर कोरिया अपने परमाणु-सक्षम हथियारों के जखीरे को बढ़ाने के लिए लगातार हथियारों का परीक्षण कर रहा है। इसमें 3 अक्तूबर को किया गया वह परीक्षण भी शामिल है, जिसे उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक इंटरमीडिएट-रेंज मिसाइल बताया था। इसे दक्षिण कोरिया और जापान की मिसाइल सुरक्षा प्रणालियों से बचने के लिए डिजाइन किया गया है।

उत्तर कोरिया ने मिसाइल के और भी टेस्ट किए हैं, लाइव-फायर ड्रिल की हैं और एक नया युद्धपोत भी शामिल किया है। नेता किम जोंग-उन अपने परमाणु

हथियार कार्यक्रम का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लंबे समय से रुके हुए कूटनीतिक बातचीत को फिर से शुरू करने के प्रस्तावों को भी ठुकरा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक कैसे घायल हुए? – पिछले महीने भारी हथियारों से लैस अंतर-कोरियाई सीमा के पास लैंड माइन धमाकों में दक्षिण कोरिया के तीन सैनिकों के घायल होने के बाद तनाव भी बढ़ गया। दक्षिण कोरिया की सेना और अमेरिका के नेतृत्व वाली यूनाइटेड नेशंस कमांड ने निष्कर्ष निकाला कि ये धमाके उत्तर कोरिया की ओर से लगाए गए उपकरणों के कारण हुए थे। हालांकि, उत्तर कोरिया ने इसकी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है

और माफी की दक्षिण कोरिया की मांग का मजाक उड़ाया है।

हाल के वर्षों में, वॉशिंगटन के साथ परमाणु बातचीत में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध के बीच, किम ने दक्षिण कोरिया के साथ सभी तरह की कूटनीति और सहयोग रोक दिया है और पड़ोसी देश को अपना पक्का दुश्मन बताया है। उन्होंने अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत फिर से शुरू करने की अपील को ठुकरा दिया है। 2019 में यह बातचीत टूट गई थी। उनकी सरकार की मांग है कि वॉशिंगटन प्योंगयांग के प्रति अपनी दुश्मनी वाली नीति छोड़े और बातचीत के लिए शर्त के तौर पर उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार खत्म करने की मांग को हटाए।

संक्षिप्त

समाचार

भावनाओं को समझने में महिलाएं आगे, पर यही खूबी बन जाती है उनके लिए बड़ा बोझ

ज्यूरिख, एजेंसी। किसी बैठक में सहकर्मी का अचानक चुप हो जाना, किसी दोस्त के चेहरे से उसकी परेशानी भांप लेना या तनाव के बीच सही बात कहकर माहौल संभाल लेना। ये ऐसे कौशल हैं, जो रिश्तों को बेहतर बनाने के साथ कामकाज को भी आसान करते हैं।

लेकिन जब इन्हें किसी की स्वाभाविक खूबी मान लिया जाता है, तो यही क्षमता उसके लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी बन सकती है। महिलाओं के साथ अक्सर ऐसा ही होता है।

लिमरिक विश्वविद्यालय की मैरी एम हाउसफेल्ड और ज्यूरिख विश्वविद्यालय के योखेन मेंगेंस ने 1995 से 2023 तक प्रकाशित शोधों की समीक्षा की। इसमें 76 देशों के छह लाख से अधिक लोग शामिल थे।



अध्ययन में औसतन महिलाओं का भावनात्मक बुद्धिमत्ता में प्रदर्शन पुरुषों से बेहतर पाया गया। यह बढ़त खास तौर पर दूसरों की भावनाओं को पहचानने, उनके कारण समझने और उनसे निपटने में मदद करने के मामले में दिखी। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं कि हर महिला इस मामले में हर पुरुष से बेहतर होती है।

बचपन से मिलता है ज्यादा अस्थास- भावनात्मक बुद्धिमत्ता का मतलब अपनी और दूसरों की भावनाओं को पहचानने, समझने और संभालने की क्षमता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इसकी एक वजह बचपन में लड़कें-लड़कियों की परवरिश का अंतर हो सकता है। माता-पिता अक्सर बेटियों को भावनाओं पर बात करने और उन्हें शब्दों में व्यक्त करने के लिए ज्यादा प्रोत्साहित करते हैं, जबकि बेटों को कई बार भावनाएं छुपाने की सीख मिलती है।

इस तरह लड़कियों को दूसरों की भावनाएं समझने और उनके अनुरूप प्रतिक्रिया देने का अधिक अस्थास मिलता है। जैसे कोई भाषा या वाद्य यंत्र सीखने से उसमें दक्षता बढ़ती है, वैसे ही भावनात्मक कौशल भी अस्थास से निखरते हैं। वर्ष 2019 में 58 अध्ययनों के मेटा-विश्लेषण में भी पाया गया कि प्रशिक्षण से भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित की जा सकती है। समस्या तब शुरू होती है, जब महिलाओं की इस क्षमता को कौशल मानने के बजाय उनकी स्वाभाविक जिम्मेदारी समझ लिया जाता है। दफ्तर में टीम का तनाव संभालना, परेशान सहकर्मी को सहारा देना और विवाद शांत करना अक्सर उन्हीं के हिस्से आता है। इससे कामकाज सुचारु रहता है, लेकिन प्रदर्शन के आकलन और पुरस्कारों में इस योगदान को जगह नहीं मिलती।

फिलीपीन में बच्चों के यौन शोषण का खौफनाक नेटवर्क, कैमरे के सामने परोसा जा रहा बचपन

मनीला/वाशिंगटन, एजेंसी।

डिजिटल क्रांति के दौर में जहां दुनिया एक-दूसरे के करीब आई है, वहीं तकनीक का एक ऐसा घिनाऊ और खौफनाक चेहरा भी सामने आ रहा है जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। द्वीपीय देश फिलीपीन में गरीबी का फायदा उठा मासूमों को बाल यौन शोषण सामग्री में बदला जा रहा है। उन्हें अपने देश में यौन शोषण का शिकार होना पड़ता है और अमीरों का शौक पूरा करने के लिए मीलों दूर स्थित शहरों में सीधे प्रसारित किया जाता है। सीएनएन की एक खोजी रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका और यूरोप जैसे अमीर देशों में बैठे लोग इसके बदले में बड़ी रकम खर्च करते हैं।

फिलीपीन इस अवैध और खौफनाक ऑनलाइन नेटवर्क का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है। 13 वर्ष की केट (बदला नाम) की कहानी इस भयावह सच्चाई को बयां करती है। कोविड-19 के दौरान जब केट के पिता की नौकरी चली गई और परिवार पाई-पाई को मोहताज हो गया तो



अपने ही कर रहे सौदा...एन्क्रप्टेड एप्स से मिला बढ़ावा

बच्चों का सौदा करने वाले कोई और नहीं बल्कि उनके अपने परिवार वाले ही होते हैं। फिलिपिनो पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार दलालों में बड़ी संख्या उन माताओं की है, जिन्होंने आर्थिक तंगी के आगे अपने बच्चों का सौदा कर दिया। बच्चों का शोषण करने वाले खरीदार समाज के हर वर्ग से आते हैं। इनमें कॉलेज के छात्र, बिजनेसमैन, रेस्टोरेंट कर्मचारी से लेकर जलवायु सलाहकार और पढ़े-लिखे पेशेवर तक शामिल हैं। कई आरोपी तो ऐसे हैं जो खुद शादीशुदा हैं और जिनके घर में बच्चे व नाती-पोते हैं। पहले यह धंधा डार्क वेब तक सीमित था लेकिन अब टेलीग्राम, व्हाट्सएप और वाइबर जैसे एन्क्रिप्टेड एप्स तक फैल चुका है। इन्टरलीग्राम पर तो खुलेआम ऐसे प्राइवेट ग्रुप चलते हैं जहां कैडी, किड्डी जैसे सांकेतिक शब्दों का इस्तेमाल करके सामग्री की नुमाइश की जाती है।



परिवार को भुखमरी से बचाने के नाम पर उसकी गोद ली गई बड़ी बहन ने ही उसे कैमरे के सामने खड़ा कर दिया। शुरुआती दिनों में केट से केवल विदेशी ग्राहकों के साथ बातचीत बातचीत का नाटक करने को कहा गया। लेकिन धीरे-धीरे मांगें बदलती गईं और ऐसे खौफनाक और हिंसक कृत्यों की मांग की जाने लगी, जिनकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

पाकिस्तान को विश्व बैंक का झटका: दक्षिण एशिया की सूची से नाम बाहर, भारत से तुलना खत्म होने पर मचा बवाल

न्यूयार्क, एजेंसी। विश्व बैंक के क्षेत्रीय वर्गीकरण में बदलाव को लेकर पाकिस्तान में बहस छिड़ गई है। पाकिस्तानी पत्रकार शहबाज राणा के मुताबिक, पाकिस्तान को दक्षिण एशिया समूह से हटाकर मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान वाले स्थावरक समूह में शामिल किया गया है। हालांकि, इसे भारत की जीत या पाकिस्तान को दंडित करने का फैसला बताने के लिए ठोस प्रमाण सामने नहीं हैं। यह बदलाव विश्व बैंक की प्रशासनिक और क्षेत्रीय व्यवस्था से जुड़ा है।

विश्व बैंक के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान को 1 जुलाई 2025 से दक्षिण एशिया की श्रेणी से हटाकर मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, अफगानिस्तान और पाकिस्तान क्षेत्र में शामिल किया गया। इस बदलाव की पुष्टि विश्व बैंक के आँकड़ा पोर्टल और उसके दिसंबर 2025 के लेख में भी की गई है। दक्षिण एशिया के इस नए वर्गीकरण में अब भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और मालदीव शामिल हैं।



पाकिस्तान और अफगानिस्तान को अलग क्षेत्रीय समूह में रखा गया है। पाकिस्तानी पत्रकार शहबाज राणा ने अपने कार्यक्रम में इस बदलाव को भारत-पाकिस्तान तनाव और विश्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय से जुड़ी परिस्थितियों से जोड़कर चर्चा की। उनके अनुसार, नई दिल्ली में कार्यालय होने की स्थिति में पाकिस्तानी अधिकारियों को वीजा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता था। क्षेत्रीय वर्गीकरण बदलने से पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति या उसकी आय के आधार पर तय होने वाली आर्थिक श्रेणी अपने आप नहीं बदलती।

सरकारी खजाने से ट्रंप का प्रचार पड़ा भारी जनता के पैसों से चल रहे विज्ञापनों पर कोर्ट ने लगाई रोक

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने राजनीतिक संदेश के प्रचार के लिए सरकारी खजाने से चलाए जा रहे टीवी विज्ञापनों पर रोक लगानी होगी। न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत ने रविवार रात प्रशासन को आदेश दिया कि ऐसे सभी विज्ञापन तुरंत बंद किए जाएं, जो अब भी प्रसारित होने बाकी हैं। खास बात यह है कि प्रशासन पहले ही कह चुका था कि विज्ञापन अभियान जल्द खत्म होने वाला है। इसके बावजूद अदालत ने साफ कर दिया कि रविवार रात प्रसारित होने वाले विज्ञापनों समेत बाकी सभी विज्ञापनों को भी रद्द करना होगा।

जनता के पैसे से राजनीतिक प्रचार पर उठे सवाल- यह पूरा मामला उन टीवी विज्ञापनों से जुड़ा है, जिन पर करदाताओं के लाखों डॉलर खर्च किए गए। इन विज्ञापनों के जरिए ट्रंप के राजनीतिक संदेश को लोगों तक पहुंचाया जा रहा था। इस खर्च पर सवाल उठाते हुए एक गठबंधन ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस गठबंधन में गैर-दलीय निगरानी संगठन कॉमन कॉज भी शामिल था। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि सरकारी धन का इस तरह इस्तेमाल करना नियमों के खिलाफ



अब सरकारी खर्च और राजनीतिक संदेश के इस्तेमाल पर नजर

इस मामले ने सरकारी धन के इस्तेमाल और राजनीतिक प्रचार के बीच की सीमा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायत करने वाले संगठनों का कहना है कि जनता के पैसे का इस्तेमाल इस तरह नहीं किया जा सकता, जिसे वे किसी राजनीतिक संदेश को बढ़ावा देने का अनुचित तरीका मानते हैं। अदालत के आदेश का तत्काल असर यह है कि प्रशासन को बचे हुए विज्ञापनों को रोकना होगा। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, यह आदेश अस्थायी रोक के तौर पर जारी किया गया है। मामले में आगे क्या होता है, यह न्यायिक प्रक्रिया के आगेले चरणों पर निर्भर करेगा।

है और इसे सार्वजनिक धन का अनुचित इस्तेमाल माना जाना चाहिए। न्यूयॉर्क की अमेरिकी जिला अदालत की जज जेनिफर एल. रोचोन ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर विचार करते हुए प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाया। उन्होंने अस्थायी रोक लगाने का आदेश जारी किया, जिसके तहत प्रशासन को बचे हुए सभी टीवी विज्ञापन रद्द करने होंगे। इस आदेश में उन विज्ञापनों को भी शामिल किया गया, जिनका प्रसारण रविवार रात होना था। यानी प्रशासन की ओर से विज्ञापन अभियान खत्म करने की घोषणा के बावजूद अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया कि कोई भी बाकी विज्ञापन प्रसारित न हो।

अमेरिका-ब्रिटेन में पढ़ा रहे पाकिस्तानी शिक्षाविदों ने उठाई आवाज, इमान मजारी और उनके पति को रिहा करे पाकिस्तान

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान में वकील इमान जैन मजारी-हाजिर और हादी अली चड्ढा की हिरासत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में कार्यरत पाकिस्तानी मूल के शिक्षाविदों ने आवाज उठाई है। उन्होंने दोनों वकीलों के खिलाफ आरोप वापस लेने और उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग की है। शिक्षाविदों ने इसे अभिव्यक्ति की आजादी और कानून के शासन से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। लाहौर में जारी संयुक्त बयान में शिक्षाविदों ने पाकिस्तान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन की स्थिति पर चिंता जताई। यह बयान जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के आकिल शाह की पहल पर जारी किया गया। बयान के मुताबिक, जनवरी 2026 में इमान मजारी और हादी चड्ढा को सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकेथाम कानून (वीईसीए) के तहत 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। इन पोस्ट में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों की



आलोचना की गई थी। शिक्षाविदों के अनुसार, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर 2026 को दोनों की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी थी। हालांकि, कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने एक अन्य मामले में उन्हें हिरासत में ले लिया। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों अब भी हिरासत में हैं। हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि इमान मजारी जबरन गुमशुदगी के मामलों पर आवाज उठाती रही हैं और पीड़ितों तथा उनके

परिवारों का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उन्होंने पाकिस्तान के ताकतवर संस्थानों की सार्वजनिक रूप से आलोचना भी की है। वहीं, हादी चड्ढा ने ईशान्दा के आरोपों का सामना कर रहे लोगों और मृत्युदंड पाए कैदियों का बचाव किया है। बयान में कहा गया कि आपराधिक कानून का इस्तेमाल असहमति की आवाज दबाने या वकीलों को उनकी पैरवी के कारण डराने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

अमेरिका में राजनीतिक ताकत दिखाने की तैयारी, मिडटर्म चुनाव में क्यों बदला भारतीय-अमेरिकियों का प्लान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत और प्रवासी भारतीयों के खिलाफ नीतियों ने राजनीतिक दमखम रखने वाले भारतीय प्रवासियों को नए सिरे से अमेरिकी सत्ता में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के पुरजोर प्रयासों के लिए प्रेरित किया है। इसलिए अब भारतीय-अमेरिकी केवल सांसद बनकर अमेरिकी सत्ता में हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव में अपने मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले अन्य उम्मीदवारों का भी समर्थन कर रहे हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेताओं ने कहा कि कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में मजबूत मौजूदगी के बावजूद समुदाय के भीतर की प्रतिस्पर्धा के कारण निर्वाचित पदों



पर भारतीय प्रवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व कम रहा है। प्रवासी सदस्य हैं, लेकिन यह संख्या घटकर चार रह सकती है। इलिनोइस से राजा कृष्णमूर्ति और मिशिगन से श्री थानेदार प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना (कैलिफोर्निया-17), प्रमिला जयपाल

दिया। कार्यकाल पूरा कर रही अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के छह सदस्य हैं, लेकिन यह संख्या घटकर चार रह सकती है। इलिनोइस से राजा कृष्णमूर्ति और मिशिगन से श्री थानेदार प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना (कैलिफोर्निया-17), प्रमिला जयपाल

(वाशिंगटन-7), एमी बेरा (कैलिफोर्निया-3) और सुब्रमण्यम (वर्जीनिया-10) फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ओहायो के गवर्नर पद के चुनाव में मैदान में हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति के चार साल के कार्यकाल के बीच में होने वाले मध्यावधि चुनाव में कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सभी 435 सदस्यों और ऊपरी सदन सीनेट के 100 सदस्यों में से करीब एक-तिहाई का चुनाव होता है। इन चुनावों में कई राज्यों के गवर्नर व विधानसभाओं के साथ कुछ शहरों के मेयर और अन्य स्थानीय अधिकारियों के चुनाव भी शामिल होते हैं। नतीजे तय करते हैं कि कांग्रेस पर किस दल का नियंत्रण होगा और राष्ट्रपति की विधेयक पारित कराने की क्षमता पर भी उनका असर पड़ सकता है।